ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज़
खबर वही, जो ज़िंदा रहे!
Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

Vol. 12 Issue No. 14 Faridabad (NCR) Wednesday, 16-31 August 2023 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/21-23 Page : 8

ब्यूरोक्रेसी में बंधन तोड़ती और बुलंदी पर पहुंचती हुई महिलाएं

पिछले दिनों घोषित हुए परिणामों के साथ ही सिविल सेवा परीक्षा का एक और चैप्टर लिखा जा चुका है। मगर इससे पहले कि इस नए-नवेले चैप्टर की स्याही सूखे, एक उल्लेखनीय मील का पत्थर पर जाकर नज़र टिक जाती है। सामाजिक प्रगति और लैंगिक समानता जैसे मूल्यों से प्रभावित इस युग मे, यह आवश्यक है कि हम नौकरशाही में महिलाओं की परिवर्तनकारी भूमिका को स्वीकार करें। जैसे-जैसे बने-बनाए सामाजिक ढाँचों की बुनियाद दरक रही है, सत्ता और निर्णय लेने की स्थिति में अधिक महिलाओं को शामिल करने से हमारे प्रशासनिक परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव आने की क्या संभावना है, बता रही हैं, सोनल गोयल, आईएएस

साभार

पिछले दिनों घोषित हुए परिणामों के साथ ही सिविल सेवा परीक्षा का एक और चैप्टर लिखा जा चुका है। मगर इससे पहले कि इस नए-नवेले चैप्टर की स्याही सूखे, एक उल्लेखनीय मील का पत्थर पर जाकर नज़र टिक जाती है। और वो है यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, 2022 में महिला उम्मीदवारों की शानदार सफलता। शीर्ष चार रैंकों सहित चयनित उम्मीदवारों में से कुल एक-चौथाई महिलाएं हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। महिलाओं की इस ऐतिहासिक सफलता ने निश्चित रूप से भारतीय समाज को अधिक इंक्लूसिव और जेंडर सेंसिटिव समाज बनने की दिशा में आगे बढ़ाया है। इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं का चयन होना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारतीय नौकरशाही में बदलाव की बयार चल रही है।

कुछ दशक पीछे जाकर देखें तो साल 1990 में चयनित उम्मीदवारों में केवल 13.9त्न महिलाएं थीं, यह आँकड़ा बताता है कि परिदृश्य काफी विकसित हुआ है। साल 2015 में जब मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू किया था उस समय सिविल सेवा में अनुशंसित महिलाओं का प्रतिनिधित्व केवल 19.7 प्रतिशत था। मगर, इस अभियान के आठ सफल वर्षों के बाद यह आँकड़ा बढ़ते-बढ़ते 34.3त्न तक आ पहुँचा है, जो यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के इतिहास में महिला उम्मीदवारों का अब तक का सबसे अधिक चयन प्रतिशत है। यह उपलब्धि इन महिलाओं की असाधारण दृढ़ता और योग्यता का प्रमाण है। इस उपलब्धि का जश्न मनाते समय हमें उन महिलाओं की यात्रा पर भी विचार करना चाहिए जिन्होंने समय की रेत पर कभी न मिटने वाले निशान छोड़े हैं। स्वतंत्र भारत की पहली महिला आईसीएस अधिकारी मैडम अन्ना राजम मल्होत्रा से लेकर पहली महिला आईपीएस अधिकारी के रूप में सफलता हासिल करने वाली श्रीमती किरण बेदी तक- इन अग्रणी महिलाओं ने साबित कर दिया है कि उत्कृष्टता के लिए जेंडर अब कोई बाधा नहीं है। इन महिलाओं ने साबित कर दिखाया है कि जब महिलाओं को शिक्षित, प्रोत्साहित और सपोर्ट किया जाता है, तो वे पवरफुल चेंज मेकर बन कर उभरती हैं। हालाँकि, उपरोक्त असाधारण महिलाओं की यात्रा चुनौतियों से ख़ाली नहीं रही है। मेरा अनुभव है कि सामाजिक बैरियर्स को तोड़कर नई ऊंचाई हासिल करने के लिए अक्सर व्यक्तिगत कीमत चुकानी पड़ती है। इतिहास गवाह है कि मैडम अन्ना राजम मल्होत्रा का अप्वाइंटमेंट लेटर शादी से जुड़ी कठिन प्रतिबंध धाराओं के साथ आया था। उसमें साफ़-साफ़ लिखा था कि अगर वो कभी भी शादी करती हैं तो उन्हें सेवा से त्यागपत्र देना होगा। राष्ट्रीय समाचार पत्रों में छपी कुछ रिपोर्ट्स ने तो यहां तक लिखा है कि जिला उप-कलेक्टर के रूप में मैडम अन्ना राजम मल्होत्रा की तैनाती को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री सी.राजगोपालाचारी भी झिझक रहे थे, जो उस समय इस प्रचलित धारणा की पुष्टि करता है कि महिलाओं को नागरिक बलों में सेवा नहीं करनी चाहिए। हालाँकि, इस तरह के विरोध से प्रभावित हुए बिना, मैडम अन्ना राजम मल्होत्रा ने निडरता से अपने पद की गरिमा और मर्यादा के अनुरूप अपनी भूमिका निभाकर साबित कर दिया कि जेंडर कभी भी किसी की क्षमताओं के आँकलन का आधार नहीं बनना चाहिए। उनकी शानदार सर्विस इसीलिए जारी रही क्योंकि उन्होंने अपने पुरुष समकक्षों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और अपनी असाधारण कार्य नीति, परिष्कृत कौशल और व्यापक ज्ञान का प्रदर्शन किया। अपने इन्हीं खूबियों के चलते उन्होंने होसुर जिले की पहली महिला जिला उप-कलेक्टर का पद सुशोभित कर न सिर्फ़ इतिहास रचा बल्कि नौकरशाही में आने की महत्वकांक्षा रखने वाली महिलाओं की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया।

आज जब हम ब्यूरोक्रेसी में महिलाओं की ऐतिहासिक उपलब्धि की चर्चा कर रहे हैं, तब उन सूक्ष्म भेदभावों पर भी प्रकाश डालना अत्यंत आवश्यक है जिसका महिला अधिकारियों को इन एलीट सर्विसेज़ के गलियारों में सामना करना पड़ता है। कई महिला नौकरशाहों ने अपने साक्षात्कारों और बातचीत में, नौकरशाही के भीतर मेल डॉमिनेंस और इन्फ़ोर्मल नेटवर्क की उपस्थिति पर प्रकाश डाला है, जिससे पावर हायरारकीज़ को नेविगेट करने में महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पैदा होती हैं। निम्नलिखित डेटा के साथ जोड़कर देखने पर यह इनसाइट, पोस्टिंग और पोज़ीशन के जेंडर आधारित डिस्ट्रीब्यूशन को प्रकट करती है।

केंद्र सरकार द्वारा आयोजित 2011 की रोजगार जनगणना के अनुसार, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के कुल वर्कफ़ोर्स में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 11त्न से भी कम था। 2020 में बेहद मामूली बढ़ोत्तरी के साथ यह संख्या 13त्न हो गई। इसके अलावा एक और आँकड़ा देखें तो 2022 तक केवल 14 प्रतिशत महिला आईएएस अधिकारी सचिव स्तर पर सेवारत थीं। यदि हम सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर सामूहिक रूप से विचार करें, तो भी गिनती की महिलाएं ही आज तक मुख्य सचिव या डीजीपी के पद पर नियुक्त हुई हैं। यहाँ बताना ज़रूरी होगा कि आज तक किसी भी महिला को कैबिनेट सचिव के रूप में नियुक्त नहीं किया गया है। यही नहीं- रक्षा, वित्त और गृह मंत्रालय में सचिव के पद पर भी आज तक किसी महिला को नियुक्त नहीं किया गया है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि महिला आईएएस अधिकारियों को शिक्षा, सांस्कृतिक मामलों और कल्याण आदि से संबंधित विभागों के लिए अधिक उपयुक्त माना जाता है। अगर ऐसा है तो यह कैरियर की प्रगति के लिए महिला अधिकारियों के अवसरों को सीमित करता है। मेरा दृढ़ विश्वास है और मैंने अपने डेढ़ दशक से अधिक के प्रशासनिक करियर

शेष पेज-4 पर

साम्प्रदायिक दंगे और उनका इलाज

1919 के जालियँवाला बाग हत्याकाण्ड के बाद ब्रिटिष सरकार ने साम्प्रदायिक दंगों का खूब प्रचार शुरु किया। इसके असर से 1924 में कोहाट में बहुत ही अमानवीय ढंग से हिन्दू-मुस्लिम दंगे हुए। इसके बाद राष्ट्रीय राजनीतिक चेतना में साम्प्रदायिक दंगों पर लम्बी बहस चली। इन्हें समाप्त करने की जरूरत तो सबने महसूस की, लेकिन कांग्रेसी नेताओं ने हिन्दू-मुस्लिम नेताओं में सुलहनामा लिखाकर दंगों को रोकने के यत्न किये। इस समस्या के निश्चित हल के लिए क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रस्तुत लेख जून, 1928 के 'किरती' में छपा। यह लेख इस समस्या पर शहीद भगत सिंह और उनके साथियों के विचारों का सार है।

भारत वर्ष की दशा इस समय बड़ी दयनीय है। एक धर्म के अनुयायी दूसरे धर्म के अनुयायियों के जानी दुश्मन हैं। अब तो एक धर्म का होना ही दूसरे धर्म का कट्टर शत्रु होना है। यदि इस बात का अभी यकीन न हो तो लाहौर के ताजा दंगे ही देख लें। किस प्रकार मुसलमानों ने निर्दोष सिखों, हिन्दुओं को मारा है और किस प्रकार सिखों ने भी वश चलते कोई कसर नहीं छोड़ी है। यह मार-काट इसलिए नहीं की गयी कि फलाँ आदमी दोषी है, वरन इसलिए कि फलाँ आदमी हिन्दू है या सिख है या मुसलमान है। बस किसी व्यक्ति का सिख या हिन्दू होना मुसलमानों द्वारा मारे जाने के लिए काफी था और इसी तरह किसी व्यक्ति का मुसलमान होना ही उसकी जान लेने के लिए पर्याप्त तर्क था। जब स्थिति ऐसी हो तो हिन्दुस्तान का ईश्वर ही मालिक है।

ऐसी स्थिति में हिन्दुस्तान का भविष्य बहुत अन्धकारमय नजर आता है। इन 'धर्मों' ने हिन्दुस्तान का बेड़ा गर्क कर दिया है। और अभी पता नहीं कि यह धार्मिक दंगे भारतवर्ष का पीछा कब छोड़ेंगे। इन दंगों ने संसार की नजरों में भारत को बदनाम कर दिया है। और हमने देखा है कि इस अन्धविश्वास के बहाव में सभी बह जाते हैं। कोई बिरला ही हिन्दू, मुसलमान या सिख होता है, जो अपना दिमाग ठण्डा रखता है, बाकी सब के सब धर्म के यह नामलेवा अपने नामलेवा धर्म के रौब को कायम रखने के लिए डण्डे लाठियाँ, तलवारें-छुरें हाथ में पकड़ लेते हैं और आपस में सर-फोड़-फोड़कर मर जाते हैं। बाकी कुछ तो फाँसी चढ़ जाते हैं और कुछ जेलों में फेंक दिये जाते हैं। इतना रक्तपात होने पर इन 'धर्मजनों' पर अंग्रेजी सरकार का डण्डा बरसता है और फिर इनके दिमाग का कीड़ा ठिकाने आ जाता है।

यहाँ तक देखा गया है, इन दंगों के पीछे साम्प्रदायिक नेताओं और अखबारों का हाथ है। इस समय हिन्दुस्तान के नेताओं ने ऐसी लीद की है कि चुप ही भली। वही नेता जिन्होंने भारत को स्वतन्त्रा कराने का बीड़ा अपने सिरों पर उठाया हुआ था और जो 'समान राष्ट्रीयता' और 'स्वराज्य-स्वराज्य' के दमगजे मारते नहीं थकते थे, वही या तो अपने सिर छिपाये चुपचाप बैठे हैं या इसी धर्मान्धता के बहाव में बह चले हैं। सिर छिपाकर बैठने वालों की संख्या भी क्या कम है? लेकिन ऐसे नेता जो साम्प्रदायिक आन्दोलन में जा मिले हैं, जमीन खोदने से सैकड़ों निकल आते हैं। जो नेता हृदय से सबका भला चाहते हैं, ऐसे बहुत ही कम हैं। और साम्प्रदायिकता की ऐसी प्रबल बाढ़ आयी हुई है कि वे भी इसे रोक नहीं पा रहे। ऐसा लग रहा है कि भारत में नेतृत्व का दिवाला पिट गया है।

दूसरे सज्जन जो साम्प्रदायिक दंगों को भड़काने में विशेष हिस्सा लेते रहे हैं, अखबार वाले हैं। पत्रकारिता का व्यवसाय, किसी समय बहुत ऊँचा समझा जाता था। आज बहुत ही गन्दा हो गया है। यह लोग एक-दूसरे के विरुद्ध बड़े मोटे-मोटे शीर्षक देकर लोगों की भावनाएँ भड़काते हैं और परस्पर सिर फुटौव्वल करवाते हैं। एक-दो जगह ही नहीं, कितनी ही जगहों पर इसलिए दंगे हुए हैं कि स्थानीय अखबारों ने बड़े उत्तेजनापूर्ण लेख लिखे हैं। ऐसे लेखक बहुत कम है जिनका दिल व दिमाग ऐसे दिनों में भी शान्त रहा हो।

अखबारों का असली कर्त्तव्य शिक्षा देना, लोगों से संकीर्णता निकालना, साम्प्रदायिक भावनाएँ हटाना, परस्पर मेल-मिलाप बढ़ाना और भारत की साझी राष्ट्रीयता बनाना था लेकिन इन्होंने अपना मुख्य कर्त्तव्य अज्ञान फैलाना, संकीर्णता का प्रचार करना, साम्प्रदायिक बनाना, लड़ाई-झगड़े करवाना और भारत की साझी राष्ट्रीयता को नष्ट करना बना लिया है। यही कारण है कि भारतवर्ष की वर्तमान दशा पर विचार कर आंखों से रक्त के आँसू बहने लगते हैं और दिल में सवाल उठता है कि 'भारत का बनेगा क्या?'

जो लोग असहयोग के दिनों के जोश व उभार को जानते हैं, उन्हें यह स्थिति देख रोना आता है। कहाँ थे वे दिन कि स्वतन्त्राता की झलक सामने दिखाई देती थी और कहाँ आज यह दिन कि स्वराज्य एक सपना मात्रा बन गया है। बस यही तीसरा लाभ है, जो इन दंगों से अत्याचारियों को मिला है। जिसके अस्तित्व को खतरा पैदा हो गया था, कि आज गयी, कल गयी वही नौकरशाही आज अपनी जड़ें इतनी मजबूत कर चुकी हैं कि उसे हिलाना कोई मामूली काम नहीं है।

यदि इन साम्प्रदायिक दंगों की जड़ खोजें तो हमें इसका कारण आर्थिक ही जान पड़ता है। असहयोग के दिनों में नेताओं व पत्राकारों ने ढेरों कुर्बानियाँ दीं। उनकी आर्थिक दशा बिगड़ गयी थी। असहयोग आन्दोलन के धीमा पड़ने पर नेताओं पर अविश्वास-सा हो गया जिससे आजकल के बहुत से साम्प्रदायिक नेताओं के धन्धे चौपट हो गये। विश्व में जो भी काम होता है, उसकी तह में पेट का सवाल जरूर होता है। कार्ल मार्क्स के तीन बड़े सिद्धान्तों में से यह एक मुख्य सिद्धान्त है। इसी सिद्धान्त के कारण ही तबलीग, तनकीम, शुद्धि आदि संगठन शुरू हुए और इसी कारण से आज हमारी ऐसी दुर्दशा हुई, जो अवर्णनीय है।

बस, सभी दंगों का इलाज यदि कोई हो सकता है तो वह भारत की आर्थिक दशा में सुधार से ही हो सकता है दरअसल भारत के आम लोगों की आर्थिक दशा इतनी खराब है कि एक व्यक्ति दूसरे को चवन्नी देकर किसी और को अपमानित करवा सकता है। भूख और दुख से आतुर होकर मनुष्य सभी सिद्धान्त ताक पर रख देता है। सच है, मरता क्या न करता। लेकिन वर्तमान स्थिति में आर्थिक सुधार होना अत्यन्त कठिन है क्योंकि सरकार विदेशी है और लोगों की स्थिति को सुधरने नहीं देती। इसीलिए लोगों को हाथ धोकर इसके पीछे पड़ जाना चाहिये और जब तक सरकार बदल न जाये, चैन की सांस न लेना चाहिए।

लोगों को परस्पर लड़ने से रोकने के लिए वर्ग-चेतना की जरूरत है। गरीब, मेहनतकशों व किसानों को स्पष्ट समझा देना चाहिए कि तुम्हारे असली दुश्मन पूँजीपति हैं। इसलिए तुम्हें इनके हथकंडों से बचकर रहना चाहिए और इनके हत्थे चढ़ कुछ न करना चाहिए। संसार के सभी गरीबों के, चाहे वे किसी भी जाति, रंग, धर्म या राष्ट्र के हों, अधिकार एक ही हैं। तुम्हारी भलाई इसी में है कि तुम धर्म, रंग, नस्ल और राष्ट्रीयता व देश के भेदभाव मिटाकर एकजुट हो जाओ और

सरकार की ताकत अपने हाथों में लेने का प्रयत्न करो। इन यत्नों से तुम्हारा नुकसान कुछ नहीं होगा, इससे किसी दिन तुम्हारी जंजीरें कट जायेंगी और तुम्हें आर्थिक स्वतन्त्राता मिलेगी।

जो लोग रूस का इतिहास जानते हैं, उन्हें मालूम है कि जार के समय वहाँ भी ऐसी ही स्थितियाँ थीं वहाँ भी कितने ही समुदाय थे जो परस्पर जूत-पतांग करते रहते थे। लेकिन जिस दिन से वहाँ श्रमिक-शासन हुआ है, वहाँ नक्शा ही बदल गया है। अब वहाँ कभी दंगे नहीं हुए। अब वहाँ सभी को 'इन्सान' समझा जाता है, 'धर्मजन' नहीं। जार के समय लोगों की आर्थिक दशा बहुत ही खराब थी। इसलिए सब दंगे-फसाद होते थे।

शेष पेज-4 पर

77वे स्वतंत्रता दिवस पर यादव कल्याण समिति ने किया ध्वजारोहण

Faridabad/Alive News

यादव कल्याण समिति के प्रधान हुक्मचंद लाम्बा व समाज के सभी गणमान्य लोगों ने ध्वजारोहण किया और स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को श्रधांजलि दी। अपने सम्बोधन में समिति के प्रधान हुक्मचंद लाम्बा व समिति के सभी सदस्यों ने स्वतंत्रता दिवस पर सभी देश वासियों को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला हुए कहा कि समाज के युवाओं को महान सवतंत्रता सेनानियो महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, लाला लाजपत राय और डॉ भीम राव अम्बेडकर जैसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। स्वतंत्रता दिवस पर देश की अखंडता और एकता का संकल्प लेने का आवहन भी किया गया। नए युवा वर्गों को अपने देश की तरक्की में अपना योगदान देने को कहा गया। प्रधान हुक्म चंद लाम्बा ने अपने किये गए इस वर्ष के कार्यों की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और सभी को अवगत कराया। समाहरोह में ब्रह्म यादव, अमित यादव, भूपेन्द्र यादव, पूर्व पार्षद कमल यादव, ओ.पी यादव, प्रताप सिंह यादव, अर्जुन सिंह यादव, धरंपाल यादव, विक्रम यादव, रघुबीर यादव, सुंदर यादव, बीर सिंह यादव, विवेक यादव, बाबूराम यादव, अशोक यादव, पोपेंदर यादव, मीडिया सलाहकार हरपाल सिंह यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

डीएवी बल्लभगढ़ में धूमधाम से मनाया गया 77वां स्वतंत्रता सप्ताह

Faridabad/Alive News

बल्लभगढ़ के डी.ए.वी पब्लिक स्कूल में 77वां स्वतंत्रता दिवस पूरे सप्ताह मनाया गया। इस से स्कूल में पूरे सप्ताह देशभक्ति वातावरण बना रहा। इस दौरान स्कूल के छात्रों में देशभक्ति का भाव जागृत करने के लिए अनेक गतिविधियां मंच पर संचालित की गई, जिनमें पोस्टर निर्माण, नारा लेखन, कवितापाठ, अभिनय आदि। इन गतिविधियों में सभी छात्र, अध्यापक और अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्कूल की ओर से छात्रों द्वारा 'हर घर तिरंगा जागरूकता' अभियान भी चलाया गया। जिसके अंतर्गत छात्रों ने घर घर जाकर लोगों को अपने घरों पर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया। सर्वप्रथम स्कूल की प्रधानाचार्या नमिता शर्मा ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद स्कूल की प्री प्राइमरी, प्राइमरी और सीनियर विंग के छात्रों ने भाषण, नाटक और नृत्य की प्रस्तुति दी। इस से स्कूल का वातावरण देशभक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम में जब प्री-प्राइमरी विंग के बच्चों ने झांसी की रानी और सीनियर विंग के छात्रों ने शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद के बलिदानों को नाटक के माध्यम से मंच पर दिखाया तो स्कूल परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। अंत में स्कूल की प्रधानाचार्या नमिता शर्मा ने सभी छात्र, अध्यापक और अभिभावकों को 77वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी और जिन स्वतंत्रता सेनानियों, क्रांतिकारियों और शहीदों के कारण हमें आज़ादी मिली उनका स्मरण कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

सर्वोत्तम स्कूल में तीज महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया

Faridabad/Alive News

नंगला एनक्लेव पार्ट-2 स्थित सर्वोत्तम पब्लिक स्कूल में शनिवार को तीज महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नर्सरी से लेकर छठी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इनमें मुख्य रूप से मेहन्दी, डांस, पेन्टिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने हुनर का लोहा मनवाया। महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल के डायरेक्टर एवं शिक्षाविद रामधारी कौशिक और प्रिंसिपल उमा शर्मा पहुंचे। स्कूल के मैनेजर शालीन कौशिक ने बताया कि हरियाणा में तीज पर्व का अपना एक अलग महत्व है। तीज पर्व हरियाली और रंगो का प्रतीक है। स्कूल में इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने से बच्चों में संस्कृति के प्रति भाव उत्पन्न होते है और उन्हें अपने त्यौहारों के बारे में जानने का मौका मिलता है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्राइज देकर पुरस्कृत किया।

पटेल पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाई गई तीज

Faridabad/Alive News

राजीव कॉलोनी स्थित पटेल पब्लिक स्कूल में शनिवार को तीज पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्कूल में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। पटेल पब्लिक स्कूल में तीज के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षाविद नारायण डागर, शिक्षाविद नरेंद्र चौहान, शिक्षाविद जयप्रकाश राय, गोविंद राम नागर बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। स्कूल के प्रिंसिपल एम. एस. नागर (संजय सर) और वाइस प्रिंसिपल अमृत देवी नागर ने मुख्य अतिथियों का पुषगुच्छ देकर स्वागत किया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें मेंहदी प्रतियोगिता और फोग डांस शामिल है। विद्यार्थियों के बेहतर प्रदर्शन पर उनको पुरस्कृत भी किया गया। स्कूल के प्रिंसिपल एम. एस. नागर (संजय सर) और वाइस प्रिंसिपल अमृत देवी नागर ने बताया कि तीज का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है, बड़ी धूमधाम से त्योहार मनाया जाता है। आज के बच्चों में पुरानी संस्कृति जीवित रहे इसके लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। अंत में बच्चों को तीज की बधाई दी गई।

गरीब परिवारों के बच्चों की पढ़ाई लिखाई पूरी की जाएगी : एडीसी

Faridabad/Alive News

एडीसी आनन्द शर्मा ने कहा कि गरीब परिवारों के बच्चों को पढ़ाई लिखाई सहित हर जरूरत पूरी की जाएगी। स्लम बस्ती क्षेत्र के बच्चों के पुनर्वास लिए प्रशासन द्वारा आज पहला कैंप एनएचपीसी के पास संतोष नगर में लगाया गया है। एडीसी आनन्द शर्मा ने कहा कि जिला में चिन्हित किए गए गरीब बच्चों को सभी सरकारी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। एडीसी आनन्द शर्मा ने जिला प्रशासन द्वारा बुधवार से सन्तोष नगर में सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक बेसहारा एवं झुग्गी झोपड़ियों व स्लम क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के पुनर्वास के लिए कैम्प का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे। एडीसी ने कहा कि इन कैंपों में गरीब परिवारों और दिव्यांगजन बच्चों के लिए पुनर्वास की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जा रही है। जिला फरीदाबाद में लगभग 1637 ऐसे बच्चों को चिन्हित कर लिया गया है। ऐसे बच्चों के क्षेत्र में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कैम्पों में इन बच्चों के जरूरी कागजात कैसे जन्म प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, दिव्यांगजन सर्टिफिकेट, आधार कार्ड मौके पर ही बनाए जा रहे हैं और। कैम्पों में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए जा रहे हैं जहाँ इन बच्चों का निःशुल्क जांच व उपचार किया जा रहा है। इन सभी 0 से 18 वर्ष के सभी बच्चों का पूरा ब्यौरा भरा जा रहा है और 0 से 6 साल तक के बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में डेली बैसिज पर चैकिंग करके रिपोर्ट बनाई जाएगी और 6 से 18 वर्ष तक आयु के बच्चों को स्कूल जाने सहित बच्चों की आवश्यकता के अनुसार स्कूलिग की व्यवस्था की जाएगी। बता दें कि यह कैंप, महिला एवं बाल विकास विभाग,

डीएसडब्ल्यूओ और डीसीपीओ, शिक्षा, एमसीएफ, एनआईसी सहित तमाम विभागों के द्वारा मौके पर बच्चों को सभी सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। एडीसी ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश पर इन कैंपों में आ रहे बच्चे शिक्षा से वंचित न हो इसलिए इन बच्चों को चिन्हित कर नजदीकी सरकारी स्चूलों में इनका दाखिला भी कराया जाएगा तथा प्रशासन द्वारा बाल श्रम की भी जांच की जा रही है। बाल श्रम की शिकायत प्राप्त होने पर दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी। सीडब्ल्यूसी कमेटी की सिफारिश पर बच्चों को सभी सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। आज का कैम्प नव सृष्टि एनजीओ के सहयोग से आयोजित किया गया है। इस मौके पर सीडब्ल्यूसी के जिला चेयरपर्सन श्रीपाल कहराना, जिला बाल संरक्षण अधिकारी गरिमा, जिला महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी मीनाक्षी चौधरी, सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, एमसीएफ सहित तमाम विभागों के अधिकारी और नव सृष्टि एनजीओ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ये जरूरी सुविधाएं कैम्प में दी जा रही है फ्री में

जिला प्रशासन की तरफ से डीसी विक्रम सिंह के दिशा-निर्देश पर एडीसी आनन्द शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार दिव्यांग जनों एवं निराश्रित, बेसहारा, भिक्षावृत्ति, बाल श्रम जैसी परिस्थितियों में रहकर ऐसे बच्चों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए ऐसे बच्चों के लिए आधार कार्ड,परिवार पहचान पत्र, आयुष्मान कार्ड, निवास स्थान बनाने और स्वास्थ्य जांच के लिए कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है।

यहां आयोजित हो रहे हैं कैम्प

कैम्पों का आयोजन 16 अगस्त को गवर्नमेंट प्राथमिक विद्यालय संतोष नगर में 17 अगस्त को एसी नगर स्थित वैष्णव कॉन्वेंट स्कूल में तथा 18 अगस्त को इंदिरा नगर स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में आयोजित किया जाएगा।

ओमेक्स सपा विलेज सोसायटी ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

Faridabad/Alive News

सेक्टर-78 ओमेक्स सपा विलेज सोसायटी द्वारा 77वें स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर यहां के निवासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत तिरंगा यात्रा से की गई, जिसमें बच्चे, युवाओं, महिलाओं व बड़े बुजुर्गों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देश भक्ति के नारे लगाते हुए पूरी सोसाइटी में तिरंगा यात्रा निकाली और कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। इस कार्यक्रम में भारतीय सेना के राजपूताना रेजिमेंट से रिटायर्ड गांव फरीदपुर निवासी 92 वर्षीय सूबेदार रामप्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में फरीदपुर गांव के शहीद हरप्रसाद के माता बिरजो देवी एवं पिता कालूराम उपस्थित रहे। इस मौके पर हेमंत राणा अध्यक्ष, राकेश आहूजा उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह अत्री कोषाध्यक्ष, सुप्रीत सिंह नरूला सचिव, मयंक शर्मा, सहसचिव ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छ व शॉल भेंट कर स्वागत किया। सोसाइटी के निवासियों द्वारा शहीद हुए हर प्रसाद के परिजनों को 21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि भेंट की। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में सोसाइटी के बच्चों ने देशभक्ति के गीत गाए एवं देशभक्ति के गीतों पर डांस कर आजादी का उत्सव मनाया। इस मौके पर अंतुल कुमार, संजय कुमार झा, आशीष दीक्षित, प्रवेश परिहार, अभिषेक पांडे, गजेंद्र कुमार, तेज सिंह नागर, आरके गुप्ता, एसएस नेगी, श्रीराम शर्मा, मनीष पंजवानी, सतवीर डागर, राजू मेहंदीरत्ता, लोकेश चावला, विकास कपूर, प्रवीण शर्मा, प्रणय जैन, डिंपी जैन, रचना, दीक्षा, रूना, गार्गी सिंह, पूनम शर्मा सहित सैकड़ों सोसायटी वासी मौजूद थे।

मानव सेवा समिति ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रतिभायों को किया सम्मानित

Faridabad/Alive News

स्वतंत्रता दिवस पर मानव सेवा समिति ने विद्या मंदिर स्कूल सेक्टर-15ए के सभागार में परिवार मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी एवं एफसीसीआई के प्रेसिडेंट एच. के बत्रा ने ध्वजारोहण के साथ तिरंगा झंडा फहरा कर किया। समारोह में लघु उद्योग भारती बल्लभगढ़ के अध्यक्ष अशोक चौधरी समारोह अध्यक्ष के रूप में, प्रमुख उद्योगपति व समाजसेवी एम.एल शर्मा परम सानिध्य के रूप में व समाजसेवी विष्णु गोयल, मनोज अग्रवाल, रोहताश शर्मा वेद बंसल, शुभांकित गुप्ता, प्रिंसिपल आनंद गुप्ता ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। बत्रा ने मानव सेवा समिति द्वारा जरूरतमंदों की सहायता के लिए चलाए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते समिति को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। समारोह में मानव परिवार के प्रतिभाशाली छात्रों को विद्या गौरव, आईआईटी डिग्री प्राप्त करने वाले सिमरदीप सिंह व पार्तिक को विद्या भूषण, समिति के सेवा प्रोजेक्ट सिलाई कढ़ाई सेंटर में पूरा सहयोग देने के लिए रेणु चथरथ, कुसुम बंसल, सविता सिंघल,अरविंदर कौर को महिला गौरव, समिति की पलवल शाखा के सक्रिय सदस्य राजबहादुर रावत, अर्जुन विरमानी, मुकेश मित्तल, संगीता गर्ग को समाज गौरव, आर्ट कला के लिए हर्षुल गोयल को कला गौरव, आयुष राज भड़ाना को युवा गौरव सम्मान देकर उनका अभिनंदन किया गया। समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, चेयरमैन अरुण बजाज, महासचिव सुरेंद्र जग्गा, मुख्य प्रबंधक संजीव शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गोयनका, महिला मंडल चेयरमैन ऊषा किरण शर्मा, मुख्य सलाहकार प्रेम पसरीजा, उपाध्यक्ष अरुण आहूजा, दिनेश शर्मा, चेयरमैन प्रोजेक्ट अमर बंसल, क्षेत्र प्रबंधक राज राठी ने सभी अतिथियों को

सम्मान पट्टिका पहनकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समिति के नए सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में रेनू चतरथ के नेतृत्व में बाल निर्माण स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति के गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह में अनूप गुप्ता, लायन अनिल अरोड़ा, कमला वर्मा, राजेंद्र बंसल, अरुणा मित्तल, रमा सरना, संघमित्रा कौशिक, सीमा मंगला, सीता वर्मा, सरिता गुप्ता, सावित्री मोर, एम एल मोदी, जितेंद्र मेहता, नरेंद्र मिश्रा, बिजेंद्र गर्ग, एमएल चावला, डॉ बनवारी लाल, पीडी गर्ग, बांकेलाल सितोनी, रघुबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

Students of Faridabad Model School visited KK Plastics

Faridabad/Alive News

Faridabad Model School sector-31 students visited the Plant and observed the various production lines, equipment etc. A basic understanding of electric panels and the uses of various plastics were given. After that, the children were addressed with great warmth by the MD Deepak Kohli, who also answered all of their questions about the working environment at KK Plastics. Industrial safety fundamentals were introduced to the students, followed by a thorough explanation of the organization. During the visit, students learned about the many procedures and cutting-edge equipment used in the manufacture of plastic, including rotational molding, blow molding, compression molding, and plastic molding.

हरियाली तीज पर जूनियर रेडक्रॉस द्वारा हरित अभियान की शुरूआत की

Faridabad/Alive News

हरियाली तीज के अवसर पर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा की जूनियर रेड क्रॉस, सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड एवं स्काउट्स गाइड्स ने पौधरोपण के लिए पौधे भेंट किए। हरियाली तीज पर हरित अभियान की शुरूआत की।

जूनियर रेडक्रॉस और ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि आज नीम, जामुन, अशोक, हार सिंगार, चांदनी और रात की रानी के पौधे प्रदान किए गए। इस में प्राध्यापिका सुशीला बेनीवाल, प्रवीण कुमार, राजेश भाटी, अजय गर्ग, आरती, विजयपाल, बबीता सहित सभी अध्यापकों ने सराहनीय योगदान दिया। ये सभी पौधे वन विभाग ने उपलब्ध करवाए। अभी पहले चरण में छात्राओं को पौधे प्रदान किए गए है सोमवार को छात्रों को भी पौधे प्रदान किए जायेंगे।

प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि हरियाली तीज पर पौधे लगाने का विशेष महत्व होता है हरियाली तीज सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। इस तीज को श्रावणी तीज के नाम से भी जाना जाता है सावन महीने में होने वाली वर्षा के कारण तीज के समय पूरी पृथ्वी हरी भरी हो जाती है इसलिए इस तीज को हरियाली तीज के नाम से जाना जाता है। रविंद्र कुमार मनचन्दा और स्टाफ सदस्यों ने सभी सदस्यों को हरियाली तीज पर पर्यावरण संरक्षण में मिलजुल कर सहयोग करने के लिए धन्यवाद अर्पित किया।

MEC Convent School celebrated Independence Day

Faridabad/Alive News

77th Independence Day was celebrated in MEC Convent School on 14th August with great enthusiasm. The school campus was beautifully decorated with flags and balloons to commemorate the day. students took part in various programs. In the presence of a gleeful gathering, Principal Swati Taneja addressed the students about paying homage to the brave martyrs of the country.

Speeches were delivered by the students following beautiful dance performances by the Kindergarten and Senior Standard students. A patriotic play was also enacted by the students of Primary Standard depicting the importance of women in all three forces. Principal and Director Rita Taneja thanked the Guests of Honour Priyanka, Rashmee Mahajan, Ravish Taneja and Shravan for gracing the occasion with their presence. The program ended by singing the National Anthem.

महिला पुलिसकर्मियों ने थाने में मनाई हरियाली तीज

Faridabad/Alive News

एनआईटी महिला थाने में आज महिला पुलिस कर्मचारियों ने हरियाली तीज धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर महिला पुलिस कर्मियों ने झूला-झूलकर डांस किया तथा घेवर बांटकर खुशियां मनाई। इस अवसर पर थाना प्रभारी माया के साथ एएसआई जगवती, एएसआई सरिता, एएसआई अंजू, एएसआई मुनेश, हैड कांस्टेबल सोनिया, प्रोमिला, आशा, अनिता, सिपाही शशि, निर्मला सहित अन्य महिलापुलिस कर्मी मौजूद रही। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि इस अवसर पर महिला थाना प्रभारी माया ने उपस्थित सभी महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हरियाली तीज भगवान शिव व मां पार्वती को समर्पित पर्व है। भारतीय संस्कृति परम्परा के अनुसार तीज का त्यौहार पूरे देश में मनाया जाता है। तीज के त्यौहार को हरितालिका तीज या कजली तीज भी कहते है। तीज का त्यौहार हिन्दू महिलाओं का त्यौहार होता है। तीज का त्यौहार हर वर्ष सावन माह के शुक्ल पक्ष में आता है। तीज के त्यौहार के दिन लड़कियां योग्य वर की प्राप्ति के लिये तीज का व्रत रखती है और शादीशुदा महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र और उनके जीवन के सभी कष्टों को दूर करने के लिये तीज का व्रत रखती है। यह भारतीय परम्परा रीती-रिवाज के साथ धूमधाम से बड़े उत्सव के साथ मनाया जाता है। भारत

में तीज त्यौहार सबसे अधिक महत्व दिया गया है। तीज त्यौहार हर वर्ष अगस्त महीने मे आता है। तीज त्यौहार में लड़कियां और महिलाएं व्रत रखती है और सोलाह श्रृंगार करती है। सुहागन महिलाएं अपने पति के नाम का माथे में सिंदूर लगाती है, हाथों में चूडियां पहनती है और मेंहदी लगाती है।

सर्वोत्तम स्कूल में एक दिवसीय कराटे बेल्ट टेस्ट प्रमोशन अवार्ड प्रतियोगिता आयोजित

Faridabad/Alive News

नंगला एनक्लेव पार्ट-2 स्थित सर्वोत्तम पब्लिक स्कूल में शोतोकान कराटे टेंनिग सेंटर फरीदाबाद के तत्वावधान में 'कराटे बेल्ट टेस्ट प्रमोशन अवार्ड 2023-24' का आयोजन किया। अभिनव राठौर व भरत वर्मा ने ब्लैक बेल्ट पर कब्जा जमाया। स्कूल के डायरेक्टर एवं शिक्षाविद रामधारी कौशिक और प्रिंसिपल उमा शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी और आए हुए अतिथियों का स्कूल पहुंचने पर आभार प्रकट किया। कराटे बेल्ट टेस्ट प्रमोशन अवार्ड प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं भाजपा नेता सुरेंद्र भड़ाना, समाजसेवी भोपाल कश्यप, चीफ टेक्निकल डायरेक्टर एवं इंटरनेशनल रेफरी मास्टर गंगेश तिवारी, मुख्य कोच मुकेश यादव, कराटे मास्टर एवं कोच गीता गिरी, कराटे मास्टर उत्तम मिश्रा पहुंचे। अतिथियों के द्वारा सभी प्रतिभागियों को बेल्ट, मेडल और सर्टिफिकेट देकर इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन होता रहता है। शालीन कौशिक ने कहा कि स्कूल में

पुरस्कृत किया। स्कूल के मैनेजर शालीन कौशिक ने कहा कि स्कूल ऐसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में छुपी प्रतिभा को निकालता है और उनका शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक विकास भी कर रहा है। स्कूल में समय समय पर विद्यार्थियों को इनडोर गेम्स की तैयारी करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही उनके स्कूल के विद्यार्थी स्टेट और नेशनल गेम्स में भाग लेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्राइज देकर पुरस्कृत किया।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

5वीं एनसीआर कराटे चैम्पियनशिप में फरीदाबाद के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

Faridabad/Alive News

ऑर टू एफ मॉर्शल ऑर्ट एसोसिएशन द्वारा 5वीं एनसीआर कराटे चैम्पियनशिप का आयोजन गुरूग्राम स्थित सेक्टर 27 में किया गया। जिसमें फरीदाबाद, गुरूग्राम, दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा के करीब 433 खिलाडियों ने भाग लिया। चैम्पियनशिप का शुभारंभ सुमन मंजरी पूर्व आईपीएस अधिकारी हरियाणा ने किया। इस चैम्पियनशिप में खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। मुख्य अतिथि द्वारा खिलाड़ियों को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ऑर टू एफ मॉर्शल ऑर्ट एसोसिएशन के प्रधान दुष्यंत सैनी ने बताया कि इस चैम्पियनशिप का उद्देश्य खेलों को बढ़ावा देना है। खिलाडियों ने अलग अलग भार वर्ग में अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया। इस चैम्पियनशिप के विजेता खिलाडियों को आगे खेलने का मौका दिया जाएगा। ऑर टू एफ मॉर्शल ऑर्ट एकेडमी फरीदाबाद के कोच दिवाकर सैनी ने बताया कि चैम्पियनशिप में फरीदाबाद के खिलाडियों ने भी भाग लिया जिसमें स्वाति व हर्ष ने गोल्ड मेडल, अनुज ने सिल्वर मेडल,नंदेश ने ब्रांज मेडल हासिल किया। जबकि नितिन,मुकुल, श्रुति, आकाश ने बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि खेलों से युवाओं का शारीरिक व मानसिक विकास होता है। युवाओं को खेलों में भाग लेना चाहिए और अपने देश का नाम रोशन करना चाहिए।

सुव्यवस्थित धार्मिक क्षेत्र है श्री सिद्धदाता आश्रम-आलोक कुमार

Faridabad/Alive News

विश्व हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि श्री सिद्धदाता आश्रम एक सुव्यवस्थित एवं संपूर्ण धार्मिक क्षेत्र है जहां आने वाले भक्तों को आत्मिक शांति प्राप्त होती है। वह यहां आश्रम के आचार्य जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री पुरुषोत्तमाचार्य की माताजी की पुण्यतिथि पर आयोजित विशाल चिकित्सा शिविर के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

आलोक कुमार ने फीता काटकर चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया और गुरुमाता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। कुमार ने कहा कि वह संपूर्ण भारत का भ्रमण करते हैं। उत्तर भारत में भी बड़े बड़े मंदिर हैं लेकिन श्री सिद्धदाता आश्रम एवं श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम एक संपूर्ण एवं सुव्यवस्थित धर्म क्षेत्र है जिसमें गुरुकुल, गौशाला, यज्ञशाला की भी स्थापना एवं संचालन किया जा रहा है। यहां चलने वाली जनहित उपयोगी प्रकल्पों की कितनी भी प्रशंसा कम

होगी। यहां आने पर मन को आनंद मिलता है जो अकथनीय है। मैं भी स्वयं यहां बार बार आता हूं। यहां आने से मन को असीम आनंद मिलता है वहीं लक्ष्य के प्रति भाव और मजबूत होता है। यहां स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी की सरलता को देखकर व्यथित मन भी आनंद से भर जाता है।

इस अवसर पर जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने श्री गुरुमाता की समाधि स्थल पर उनका पूजन किया। वहीं सत्संग भवन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भी श्रीमाताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने कहा कि वैकुंठवासी गुरु महाराज की भार्या होने से श्री सिद्धदाता आश्रम से जुड़ा प्रत्येक भक्त उन्हें गुरुमाता कहकर बुलाता है और मेरी वह लौकिक जननी भी हैं। इसलिए मेरी उनके प्रति श्रद्धा अनंत है। वह सभी को प्रेम देती थीं। उनका लाड़ सभी को अभी भी स्पर्श करता है। हमें महसूस होता है कि वैकुंठवासी गुरु महाराज एवं गुरुमाता हमें अभी भी पहले से प्रेम प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुत्र तो कुपुत्र हो सकता है लेकिन माता कभी कुमाता नहीं हो सकती। इस अवसर पर आयोजित निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर में आश्रम के संबंद्ध सेवा चिकित्सकों सहित अकॉर्ड अस्पताल ग्रेटर फरीदाबाद, एबल अस्पताल पलवल, मानव रचना डेंटल कॉलेज फरीदाबाद के चिकित्सकों ने भी लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। जिनमें स्त्री रोग, हृदय रोग, किडनी रोग, कैंसर रोग, मस्तिष्क एवं स्पाइन रोग एवं काया, हड्डी आदि रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने एलोपैथी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, एक्यूप्रेशर, प्राकृतिक चिकित्सा विधियों से जांच की।

इस अवसर पर विहिप के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रमेश गुप्ता, गोपाल गौशाला के महामंत्री तिलकराज बैंसला, विहिप के विभागाध्यक्ष कालीदास गर्ग सहित अनेक व्यक्ति प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

डी.ए.वी. स्कूल में जोश एवं उत्साह से संपन्न हुआ शपथ समारोह

Faridabad/Alive News

सैनिक कॉलोनी के डी.ए.वी.पब्लिक स्कूल के परिसर में शपथ समारोह अत्यंत जोश एवं उत्साह से संपन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित अवसर के मुख्य अतिथि आई.ए.एस. कमिश्नर विकास यादव व परोपकारी प्रवक्ता हरप्रीत तनेजा थे। इस अवसर पर परिषद के चुने गए सदस्यों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व ईश्वरीय वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात प्रधानाचार्य राजन गौतम ने मुख्य अतिथियों का स्वागत रोपित पौधा तथा स्मृति चिह्न देकर किया। प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथियों की विनम्रता और मानव कल्याण के लिए किए जा रहे अनवरत कार्यों की प्रशंसा की व विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ने को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थी परिषद शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न पद प्रदान कर भविष्य में देश का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई, जिसमें विद्यालय की शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास की जानकारी दी गई। समारोह में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिन्होंने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। जहाँ वंदे मातरम नृत्य ने सभागार को देशभक्ति की भावना से भर दिया, वहीं पंजाबी नृत्य ने सबको मंत्र मुग्ध कर दिया तथा मधुर समूह गान ने वातावरण को संगीतमय बना दिया। मुख्य अतिथि विकास यादव जी ने विद्यार्थियों को उनके प्रश्नों का उत्तर देते हुए एक सजग नागरिक बनकर देश का कर्णधार बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास तथा ईमानदारी के गुणों के साथ एक अच्छा इंसान बनना अनिवार्य बताया। अभिभावकों ने भी विद्यालय में हो रहे बदलाव और विकास की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ तथा राष्ट्रगान द्वारा किया गया।

सीवर ओवरफ्लो की समस्या से परेशान लोगों ने किया प्रदर्शन

Faridabad/Alive News

सीवर ओवरफ्लो की समस्या से परेशान एन.एच.पांच ए ब्लॉक के निवासियों ने श्री हरि मंदिर के पास आज प्रदर्शन किया। इस अवसर पर समाजसेवी परविन्दर राजपाल ने बताया कि पिछले कई माह से सीवर व बरसाती पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। निकासी न होने के चलते पानी हरे रंग में तब्दील हो गया है तथा बदूब से लोगों का जीना मुहाल हो रहा है। एन.एच.पांच ए ब्लॉक आरडब्ल्यू के पदाधिकारी यशपाल ग्रोवर ने कहा कि उन्होंने कई बार नगर निगम को इस संदर्भ में अवगत करवाया है परन्तु अभी तक कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है। श्री हरि मंदिर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भी लोगों को पहुंचने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि बरसात से होने वाली बिमारियों को देखते हुए कम से कम यहां की सफाई करवाई जाए। ताकि बीमारियों से बचा जा सकें साथ ही अगर आगामी दो-तीन दिनों में सीवर पानी के निकासी की व्यवस्था नहीं हुई तो नगर निगम मुख्यालय का घेराव कर बीके चौक पर जाम लगाएगें। स्थानीय निवासी शिल्पा कपूर, पूजा वर्मा, गिन्नी बत्रा, रिचा कालरा, मोना कालरा, शिवा अरोड़ा, रमन अरोड़ा, मनोहर लाल बत्रा, लकी खत्री, मोहिनी कालरा, सुनीता वर्मा, कमलेश कपूर, श्यामसुंदर कपूर, प्रियंका, पंकज शर्मा, हरिचंद कालरा, पूनम तलवार, जनक कालरा, नंदकिशोर, दीपक कालरा, आरती ने कहा कि बच्चों का स्कूल जाना, बड़े-बुजुर्गों का मंदिर, गुरूद्वारे जाने में भारी परेशानी होती है।

खत्म हुआ इंतजार!

स्मार्ट सिटी में लगने लगे स्मार्ट मीटर, एनआईटी के लोगों को पहले मिलेगी सुविधा

Faridabad/Alive News

करीब 5 साल से स्मार्ट मीटर का इंतजार कर रहे शहर के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। सोमवार से बिजली निगम द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। पहले दिन एनआईटी डिवीजन में 30 मीटर लगाए गए। सबसे पहले एनआईटी में करीब एक लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। औद्योगिक नगरी में करीब साढ़े छह लाख बिजली उपभोक्ता हैं। जिनमें 5 लाख घरेलू और डेढ़ लाख औधोगिक कनेक्शन हैं। साल 2019 में लोगों की सुविधा और बिजली चोरी को रोकने लिए बिजली चोरी रोकने के लिए स्मार्ट मीटर लगाने की योजना बनाई गई। कोरोना महामारी और मीटर नहीं मिलने के कारण लोगों काम शुरू नहीं हो सका। इसके बाद फरवरी 2023 से मीटर लगाने की योजना बनाई गई, मीटर नहीं मिलने और अन्य कारणों से योजना सिरे नहीं चढ सकी। बिजली निगम ने 7 अगस्त से मीटर लगाना शुरू कर दिया है। दिसंबर 2023 तक पूरे शहर में लगने थे स्मार्ट मीटर बिजली चोरी और गलत रीडिंग की समस्या से छुटकारा के लिए स्मार्ट मीटर की योजना तैयार की गई। ये मीटर जीपीएस सहित कई सुविधाओं से लैस होगें । स्मार्ट मीटर में प्रीपेड सुविधा की तकनीक भी उपलब्ध होगी। पूरे शहर में दिसंबर 2023 तक स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। सूत्रों का कहना है कि

बिजली निगम अपने स्तर पर मीटर खरीदा है। एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और ग्रेटर फरीदाबाद में मीटर लगाए जाएंगे।

क्या कहना है अधिकारी का

शहर में स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। सोमवार से इसकी शुरुआत कर दी गई है। पहले दिन करीब 30 मीटर एनआईटी में लगाए गए है। एनआईटी के बाद अन्य हिस्सों में भी मीटर लगाया जाएगा।

विजय पाल यादव, कार्यकारी अभियंता, एनआईटी।

हरियाणा मानव अधिकार आयोग के चेयरपर्सन ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

Faridabad/Alive News

हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक चेयरपर्सन दीप भाटिआ ने सोमवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जिला कारागार में महिला वार्ड सहित सभी बैरकों की साफ-सफाई, रहन-सहन, खान-पान, चिकित्सा सुविधा आदि की गहनता से जांच की। जेल के कैदियों ने देश भक्ति गीत और नृत्य प्रस्तुत किया और हस्तकला से तैयार चरखा चेयरपर्सन को भेंट किया। आयोग के कार्यवाहक चेयरपर्सन दीप भाटिया ने जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान बंदियों से खाना, पेयजल, रहन-सहन, दवाइयां, सफाई व्यवस्था आदि की जानकारी ली और उनकी समस्याएं भी सुनी। साथ ही बंदियों को दिए जाने वाले खाने की गुणवत्ता को खुद चेक किया। उन्होंने नीमका जेल में बने पुस्तकालय, किचन, लाउंड्री, अस्पताल, आटा चक्की, प्रिंटिंग प्रेस, सैलून आदि का निरीक्षण भी किया। जिला कारागार के अधीक्षक सतविंदर गोदारा ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया और सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने महिला कैदियों के वार्ड में सुविधाओं, बच्चों की देखभाल, महिलाओं के लिए चिकित्सा विधाओं, पुस्तकालय, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और ध्यान-सहयोग केंद्र का जायजा लिया। उन्होंने जेल की रसोई/बेकरी में बने खाने का स्वाद चख कर कैदियों की पाक कला कौशल की सराहना की। उन्होंने बताया कि हरियाणा की जेलें भारत में सबसे व्यवस्थित जेलों में से हैं और नीमका जेल सबसे आधुनिक है और मैनेजमेंट और मेडिकल चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधायें बेहतरीन है। हरियाणा सरकार ने बहुत

सारे सुधार के कदम उठायें है जिसमे बंदी द्वारा महीने में जेल में खर्चा करने की लिमिट को 8000 से बढ़ा कर 11000 कर दी गयी है। जिन क़ैदियों से कोई मिलने नहीं आता उनके लिए सरकार स्वयं आगे आ रही है। साथ ही कुछ एनजीओ आगे आ रही है। उन्होंने कहा कि जेल प्रशासन और अनुशासन के हिसाब से महत्वपूर्ण अंग रहता है और सरकार चाहती है कि यहाँ पर लॉ एंड ऑर्डर और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे। इस अवसर पर विशेष सचिव गुलशन खुराना, नीमका जेल अधीक्षक सतविंदर गोदारा, मानव अधिकार आयोग से आईपीआरओ पूनीत अरोड़ा, लीगल ऐड से मनमीत कौर सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

‘वसुधा से व्योम तक’ काव्य संग्रह का मॉरीशस में भव्य लोकार्पण

Faridabad/Alive News

विश्व हिंदी सचिवालय और आई. पी. फाउंडेशन द्वारा मॉरीशस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मेलन में कला एवं सांस्कृतिक धरोहर मंत्री अविनाश तिलक तथा विश्व हिन्दी सचिवालय की महासचिव माधुरी रामधारी तथा महामहोपाध्याय आचार्य इन्दु प्रकाश मिश्रा अन्य गणमानय जन द्वारा शारदा मित्तल की चौथी पुस्तक ‘वसुधा से व्योम तक’ का भव्य लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर मॉरीशस के वरिष्ठ लेखक रामदेवधुरंधर, रिटायर्ड

भारत से वरिष्ठ साहित्यकारा डॉ सविता चड्ढा, रिटायर्ड कमीशनर एकसाइज़ व टैक्सेशन मुकेश गंभीर भी साक्षी रहे। इस अवसर पर मॉरीशस, भारत, जॉर्डन, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका, कनाडा के साहित्यकार उपस्थित थे। व्यवस्थापक समीति को मारीशस के राष्ट्रपति महामहीम पृथ्वीराज सिंह द्वारा सम्मानित भी किया गया।

मानव रचना में भूजल प्रणाली की गणितीय मॉडलिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

Faridabad/Alive News

मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज (एमआरआईआईआरएस) में मानव रचना सेंटर फॉर एडवांस वॉटर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (एमआरसीएडबल्यूटीएम) की ओर से भूजल प्रणाली की गणितीय मॉडलिंग विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। अक्षत ग्राउंडवाटर कंसल्टेंसी सर्विसेज के साथ मिलकर हुई इस कार्यशाला में उद्योगों और खनन क्षेत्र के लिए केन्द्रीय भूमि जल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) एनओसी मामलों से निपटने वाले मान्यता प्राप्त सलाहकारों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे सीजीडब्ल्यूबी के सदस्य श्री टीबीएन सिंह और विशिष्ट अतिथि उपकुलपति एमआरआईआईआरएस प्रोफेसर (डॉ.) संजय श्रीवास्तव सहित चेयर प्रोफेसर (एमआरसीएडब्ल्यूटीएम) प्रोफेसर दीपांकर साहा व निदेशक

(एमआरसीएडब्ल्यूटीएम) प्रोफेसर अरुणांगशु मुखर्जी ने विषय पर प्रकाश डाला। इसके बाद एमआरआईआईआरएस में डीन रिसर्च प्रोफेसर डॉ. सरिता सचदेवा और एचओडी सिविल इंजीनियरिंग प्रोफेसर सुनीता बंसल ने भी विचार रखे । सत्र की मेजबानी एमआरसीएडबल्यूटीएम के रिसर्च एसोसिएट डॉ. साकिर अली ने की। इसके बाद तकनीकी सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने भूजल मॉडलिंग पर पांच केस स्टडीज पेश की। इस दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रोफेसर शशांक शेखर और सुश्री रिंकी कुमारी सहित केयर्न एनर्जी से उप महाप्रबंधक डॉ. रंजन सिन्हा, वैज्ञानिक ई सीजीडब्ल्यूबी डॉ. रंजन रे, वैज्ञानिक डी सीजीडब्ल्यूबी फरीदाबाद श्री एस एन द्विवेदी और एनडब्ल्यूआईसी नई दिल्ली से डॉ. सुमन कुमार ने संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में इंटरेक्टिव सत्र भी आयोजित हुआ जहां सभी प्रतिभागियों ने भूजल प्रवाह मॉडलिंग के विभिन्न अनुप्रयोगों और चुनौतियों के बारे में चर्चा की। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने जानकारी देते हुए कहा कि भूजल मॉडल भूजल प्रवाह की स्थिति और प्रदूषकों के वाहकों का पता लगाने का सशक्त माध्यम हैं। विभिन्न जल प्रबंधन योजनाओं को तैयार करने में भी ये मॉडल बेहद उपयोगी है। इस कार्यशाला में सीजीडब्ल्यूबी, आईआईटी दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय, अक्षत ग्राउंड वाटर कंसल्टेंसी सर्विस, आईडब्ल्यूएमआई दिल्ली, एनडब्ल्यूआईसी नई दिल्ली, फ्लड कॉन नोएडा जैसे विभिन्न गैर सरकारी संगठनों से वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, पेशेवरों और युवा शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

बीपीएल व अंत्योदय अन्न योजना में शामिल परिवारों को अब हर महीने राशन के साथ मिलेगा दो किलो सरसों तेल

Faridabad/Alive News

एएवाई और बी.पी. एल. परिवारों को जून 2021 से सरसों तेल के स्थान पर 250 रूपये प्रति परिवार दिया जा रहा था। सरकार ने दोबारा विचार किया है, अब अंतोदय अन्न योजना और बी.पी.एल. परिवार को जुलाई 2023 से 2 लीटर सरसों का तेल 20 रूपये प्रति लीटर की रियायती दर पर वितरित किया जायेगा। उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि जिला फरीदाबाद में इस स्कीम में प्रत्येक मास लगभग 18 लाख एएवाई और बी.पी.एल. परिवार लाभान्वित होगें।राज्य सरकार द्वारा सरसों का तेल उपलब्ध करवाने के लिए राज्य की दो एजेंसियों हैफेड तथा हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज (हरहित) को चुना गया है। जिनके द्वारा प्रत्येक माह सरसों का तेल कान्फैड के फोकल प्वाईंट पर डिलीवर किया जायेगा। इसके लिये हैफेड को

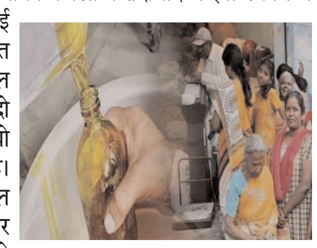

15 व हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज (हरहित) को 7 जिले अलाट किए गए हैं। सरसों के तेल का वितरण लाभार्थियों को बिकी यन्त्र के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण उपरांत डिपूधारकों के माध्यम से मास जुलाई, 2023 से किया जाना था। परन्तु किसी कारणवश जो लाभार्थी मास जुलाई 2023 के लिए आंवटित सरसों तेल प्राप्त करने से वंचित रह गये थे, उन्हें मास अगस्त 2023 के साथ-साथ मास जुलाई 2023 का सरसों तेल वितरित किया जाएगा। अगस्त 2023 में पात्र लाभार्थियों को मास जुलाई तथा अगस्त 2023 का सरसों तेल एक साथ वितरित किया जाएगा।

निजी कोष और लोगों की मदद से भाकरी सड़क की मरम्मत कराएंगे कांग्रेसी नेता विजय प्रताप

Faridabad/Alive News

करीब 6 साल से बदहाल पाली भाकरी सड़क की मरम्मत वरिष्ठ क्रांग्रेसी नेता विजय प्रताप और गांव के लोगों के आर्थिक सहयोग से होगा। सड़क बनवाने और सरकार की सदबुद्धि के लिए पिछले 14 दिनों से यज्ञ कर रहे लोगों से मिलकर विजय प्रताप ने आश्वासन दिया।

विजय प्रताप सिंह ने कहा कि इस सड़क से लगभग 50, 000 लोग गुजरते हैं, कई बार विरोध प्रदर्शन के बाद भी सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। टूटी और बदहाल सड़क के कारण लोग आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं। विजय प्रताप ने घोषणा करते हुए कि गांव वालों के सहयोग और निजी खर्चे से इस सड़क की मरम्मत कराया जाएगा। सड़क की मरम्मत में जो भी लागत आएगी उसका आधे से ज्यादा खर्च मेरे द्वारा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क की मरम्मत के बाद राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश कि कांग्रेस सरकार को पत्र लिखकर कांग्रेस सरकार से सड़क निर्माण की मांग की जाएगी, भाजपा केवल वादे करने में व्यस्त है।

उन्होंने कहा कि 1 साल पहले इस सड़क का आर्डर हो गया था लेकिन अब तक एक ईंट भी नहीं लगी जिससे लगता है कि इस सड़क के लिए जो पैसा पास हुआ था वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। 9 साल में नगर निगम का बजट ही 20000 करोड़ से ज्यादा है। स्मार्ट सिटी योजना के नाम से हजारों करोड़ आए। केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने हजारों करोड़ दिए लेकिन सारा पैसा गायब हो गया, कहीं भी विकास दिखाई नहीं पड़ रहा है। विजय प्रताप सिंह ने कहा कि हरियाणा की खट्टर सरकार के विकास के सभी दावे खोखले साबित हो रहे हैं। 14 दिन से भाकरी गांव के लोग सरकार सद्बुद्धि महायत पर बैठे हैं लेकिन सत्ताधारी पार्टी का कोई नेता और उनके अधिकारी इनका दुख दर्द जानने नहीं पहुंचा।

इस मौके पर निवर्तमान पार्षद राकेश भड़ाना ने कहा कि भाजपा के नेता और यहां की अधिकारी जनता को गुलाम समझते हैं। बड़खल विधानसभा क्षेत्र में दो जगहों पर लोग 15 दिन से सड़क के लिए प्रदर्शन और महायज्ञ कर रहे हैं लेकिन सत्ताधारी उनके पास अब तक नहीं पहुंचे। इस मौके पर महायज्ञ के आयोजक सतेंद्र फागना ने कांग्रेसी नेता विजय प्रताप से कहा कि आपसे जो उम्मीद थी और आपने लोगों का दर्द समझा। सरकार और मंत्री अपनी उपलब्धियों को गिनने में वयस्त हैं, जनता की ओर ध्यान देना तो दूर उनका हाल भी नहीं पूछ रहे हैं। पिछले 14 दिनों से धरने पर बैठे हैं, लेकिन मंत्री तो दूर अधिकारियों ने भी समस्या को सुनने की जहमत नहीं उठाई।

सेक्टर- 8 स्थित सरकारी स्कूल के बच्चों ने किया विरोध प्रदर्शन

Faridabad/Alive News

बुधवार को सेक्टर- 8 स्थित सरकारी स्कूल के बच्चों ने दाखिला के समय 500 रूपये लेने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। बच्चो ने बताया कि दाखिले के समय स्कूल ने उनसे 500 रूपये जमा करवाए थे, लेकिन अब उन्हें न तो दाखिला मिला है और न ही स्कूल पैसे वापस कर रह है। वहीं दूसरी ओर स्थानीय निवासियों ने बताया कि पहले यह प्राइमरी और मिडिल स्कूल के रूप में संचालित था, जिसे बाद में शिक्षा विभाग ने सीनियर सेकेंडरी स्कूल के रूप में बदल दिया। अब यह स्कूल 12वीं कक्षा तक संचालित किया जा रहा है, लेकिन इस स्कूल का नक्शा न तो डीटीपी विभाग से पास है और न ही एचएसवीपी विभाग से कोई अनुमति ली है। यहां नए क्लास रुम का निर्माण किया जा रहा है जो गलत है।

दरअसल, सेक्टर-8 निवासी सुखवीर, रमन और दीपिका ने बताया कि ऐसे सैकड़ों विधार्थी है जिन्हें स्कूल में दाखिला नहीं मिला है। अब विद्यार्थी अपने पैसे वापिस मांग रहे है तो शिक्षक वापिस लौटने में आनाकानी कर रहे है। इसके अलावा लोगों ने बताया कि स्कूल परिसर में लगे पेड काटे जा रहे है, ताकि स्कूल की नई बिल्डिंग का निर्माण हो सकें। हालांकि, लोग इसकी शिकायत केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और जिला उपायुक्त से कर चुके है, इसके बाबजूद भी शिक्षा विभाग यहां चल रहे निर्माण कार्य को नहीं रुकवा रहा है। उधर, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक बघेल का कहना है कि सरकार ने इस स्कूल को अपग्रेड कर दिया और यहां नई बिल्डिंग बनाने का काम जारी है। यहां सभी काम सरकार के आदेशानुसार करवाए जा रहे है। जहां तक बच्चों से पैसे वसूलने की बात है, उसके बारे में स्कूल से जानकारी मांगी जाएगी।

Editorial

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@gmail.com
website: www.alivenews.co.in

संपादकीय

टमाटर की तासीर

आजकल अपनी चढ़ती-उतरती कीमतों से भारतीय बाजारों, रसोईघरों और होटलों में आतंक फैलाने वाला टमाटर अपनी शुरुआत के जमाने में क्या, कैसा था? क्या थी टमाटर की फितरत? इस आलेख में इसी विषय पर प्रकाश डालने की कोशिश करेंगे। वर्तमान में देश में कई चर्चित मुद्दे हैं जिनमें टमाटर की बढ़ी कीमत भी एक प्रमुख है। बढ़ी हुई कीमतों से यह हमारे भोजन की थाली से तो दूर हुआ ही है, परंतु इसकी लूट की भी कई घटनाएं हुई हैं। प्रमुख सब्जी के रूप में प्रचलित टमाटर की खोज 15वीं सदी में हुई थी। एक मान्यता के अनुसार टमाटर 700 ईसा पूर्व भी मौजूद था। मेक्सिको के आदिवासी अपनी भाषा में इसे टोमेटो कहते थे। आदिवासियों का शब्द टोमेटो अंग्रेजी में ऐसे ही स्वीकार कर लिया गया।

दक्षिणी अमेरिका के पेरू में पहली बार टमाटर की खेती की गयी थी। टमाटर की खोज के समय यह स्पष्ट नहीं था कि यह विषैला है या खाने योग्य। यूरोप में टमाटर 15 वीं सदी में ही पहुंच गया था, परंतु वहां लोग इसे 200 वर्षों तक खाने से डरते रहे एवं इसे 'पाइजन-एपल' कहा गया। इसका कारण यह था कि कई लोग टमाटर खाकर मर जाते थे। बाद में अध्ययन करने पर पाया गया कि मौत का कारण टमाटर नहीं, अपितु सीसे (लेड) की परत वाली प्लेट थी जिसमें रखकर टमाटर खाये जाते थे। प्लेट का सीसा टमाटर के साथ शरीर में जाकर मौत का कारण बनता था। कई चिकित्सक भी 18वीं सदी तक इसे कैंसरजन्य एवं 'ऐपीडी साइट' का कारण मानते रहे। बाद में हुए कुछ अध्ययनों से पता चला कि इसका फल तो खाने योग्य है, परंतु इसकी पत्तियां एवं तना विषैला हो सकते हैं। फल को खाने योग्य माने जाने के बाद इसकी लोकप्रियता काफी बढ़ी। इटली एवं स्पेन के लोगों ने इसकी खेती शुरू की एवं इसका नाम 'गोल्डन-एपल' रखा गया। फ्रांस में टमाटर को 'लव-एपल' कहा गया।

26 सितम्बर 1820 को सेलम के कर्नल राबर्ट जॉनसन द्वारा दो-ढाई हजार लोगों के सामने टोकरी भर टमाटर खाने एवं कुछ नहीं होने पर अमेरिकी लोगों ने इसे फल व सब्जी के रूप में मान्य किया। अमेरिका के ही एक व्यापारी ने 1893 में यह दावा किया कि टमाटर एक फल है, इसलिए इस पर सब्जी-कर नहीं लिया जाए। वहां के उच्च न्यायालय ने इस दावे पर निर्णय दिया कि टमाटर ज्यादातर सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है, अतः यह कर योग्य है। वर्तमान में टमाटर आलू एवं प्याज के समान ही लोकप्रिय है एवं विश्व की 10 लोकप्रिय सब्जियों में 06वें स्थान पर है।

हमारे देश में यह 16वीं सदी के प्रारंभ में पुर्तगालियों द्वारा लाया गया था। उस समय लोग इसे 'विलायती बैंगन' कहते थे। वर्तमान में इसकी खेती जिन ज्यादातर राज्यों में की जाती है, उनमें प्रमुख हैं महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश एवं कर्नाटक। हमारे देश के अलावा चीन, तुर्की, ईरान, स्पेन एवं ब्राजील में भी यह काफी उगाया जाता है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण कृषि वैज्ञानिकों ने इसकी कई किस्में तैयार की हैं। इन किस्मों में आकार, स्वाद एवं रंग में काफी भिन्नता है। छोटी चेरी तथा ग्रेप किस्मों के टमाटर छोटे होने के कारण पूरे खाये जाते हैं। भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने ऐसी किस्म तैयार की है जिसके एक पौधे पर 19-20 किलो टमाटर लगते हैं। कर्नाटक में कुछ वर्षों पूर्व इसकी खेती प्रारंभ की गयी थी। उत्तराखंड राज्य जैव विविधता परिषद के वैज्ञानिक इसकी एक झाड़ी समान विदेशी प्रजाति 'टमरै-लो' को भी उगाने का प्रयास कर रहे हैं। वैज्ञानिक आधार पर टमाटर एक प्रकार का सरस फल है, परंतु कई अन्य फलों की तरह इसमें मिठास नहीं होती है। वनस्पति विज्ञान में इस शाकीय पौधे को 'लाइकोपर्सिकम एस्कुलेंटम' कहते हैं जो 'सोलोनेसी कुल' का सदस्य है। यह विटामिन ए व सी के साथ पोटेशियम, कैल्शियम तथा फास्फोरस का भी अच्छा स्त्रोत है। फल को लाल रंग देने वाला रसायन 'लायकोपीन' कैंसर तथा हृदय रोग की रोकथाम में भी कारगर बताया गया है। पके फलों से इस रसायन को हमारा शरीर आसानी से अवशोषित कर लेता है। इसके अन्य औषधीय गुणों को जानने के लिए अनुसंधान किये जा रहे हैं। स्पेन के ब्यूनाल में एक-दूसरे पर टमाटर फेंकने और उसके रस में भीगने का एक वार्षिक त्यौहार 'ला-टामेटिया' मनाया जाता है। इसे मनाने हेतु लगभग एक लाख किलो टमाटर का उपयोग किया जाता है। अब टमाटर की बढ़ती कीमतों पर चर्चा अपरिहार्य है। भारत में ज्यादातर राज्यों में टमाटर के दामों को इन दिनों आग लगी हुई है। कुछ राज्यों में राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार की ओर से सस्ते दामों पर टमाटर बेच कर बाजार में इसके भावों को कम करने की कोशिश भी की जा रही है, इसके बावजूद दाम कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह भी दुर्भाग्य की बात है कि टमाटर खाने को हतोत्साहित करने के लिए इसे इस तरह प्रचारित किया जा रहा है कि टमाटर खाने से तो बीमारियां हो रही हैं। कीमतें कम करने के लिए प्रयास किए जाने के बजाय यह दुष्प्रचार किया जा रहा है, लेकिन जनता सब कुछ जानती है। पत्रकार अगर टमाटर की बढ़ती कीमतों पर कोई सवाल करते हैं, तो सरकार के मंत्री भडक़ जाते हैं और असंतोषजनक जवाब देते हैं। केंद्र सरकार को टमाटर के दाम नीचे लाने के लिए खुद स्टाल लगाकर नो लॉस, नो प्रोफिट आधार पर टमाटर बेचना चाहिए। तभी इसकी कीमतों पर अंकुश लगेगा। जहां तक हिमाचल की बात है, तो मंडियों में टमाटर करीब 80 रुपए से 100 रुपए किलो बिक रहा है, लेकिन जैसे ही यह बाजार में पहुंचता है, तो दुकानदार इसे लगभग दुगने दामों में इन दिनों बेच रहे हैं।

फ़ोसिल फ़्यूल सब्सिडी को रिन्यूबल एनेर्जी में निवेशित कर जी20 निपट सकता है जलवायु परिवर्तन से

तिलक राज शर्मा
संपादक

इसके अलावा, रिपोर्ट राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है, जो ऊर्जा परिदृश्य और ऋण देने को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। रिपोर्ट में इन संस्थाओं को निरंतर फ़ोसिल फ़्यूल निवेश से जुड़े जोखिमों से बचने के लिए महत्वाकांक्षी नेट-शून्य रोडमैप के लिए प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

आज जारी एक रिपोर्ट से पता चलता है कि जी20 देशों की फ़ोसिल फ़्यूल सब्सिडी को रिन्यूबल एनेर्जी स्रोतों में निवेश की ओर पुनर्निर्देशित करने से न केवल जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में मदद मिल सकती है, बल्कि भूख, ऊर्जा पहुंच और पर्यावरण प्रदूषण जैसे वैश्विक मुद्दों का भी समाधान हो सकता है। रिपोर्ट आगामी जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए फ़ोसिल फ़्यूल सब्सिडी को चर्चा के एजेंडे में रखने की तात्कालिकता पर प्रकाश डालती है।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईआईएसडी) और उसके अन्य सहयोगियों द्वारा लिखित फैनिंग द फ्लेम्स जी20 फ़ोसिल फ़्यूल के लिए रिकॉर्ड वित्तीय सहायता प्रदान करता है शीर्षक वाली रिपोर्ट, जी20 देशों द्वारा फ़ोसिल फ़्यूल के लिए बढ़ाए गए चौंका देने वाले वित्तीय समर्थन को रेखांकित करती है। अकेले 2022 में, त्र20 देशों ने फ़ोसिल फ़्यूल उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 1.4 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए, यह आंकड़ा 2019 के पूर्व-महामारी और पूर्व-ऊर्जा संकट स्तर से दोगुना से अधिक है।

आईआईएसडी में वरिष्ठ एसोसिएट और अध्ययन के मुख्य लेखक तारा लान ने निष्कर्षों की महत्वपूर्ण प्रकृति पर जोर दिया- फ्रये आंकड़े इस बात की स्पष्ट याद दिलाते हैं कि जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों के बावजूद जी20 सरकारें भारी मात्रा में सार्वजनिक धन को तेजी से फ़ोसिल फ़्यूल में डालना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने जी20 नेताओं से जीवाश्म आधारित ऊर्जा प्रणालियों

के परिवर्तन को प्राथमिकता देने का आह्वान किया और कोयला, तेल और गैस के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रवाह को खत्म करने के लिए सार्थक कार्रवाई का आग्रह किया।

शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तावित एक प्रमुख समाधान 25 से 75 प्रति टन CO_2 उत्सर्जन के बीच कार्बन टैक्स फ्लोर की स्थापना करना है। इसे लागू करके, त्र20 देश संभावित रूप से सालाना 1 ट्रिलियन डॉलर अतिरिक्त जुटा सकते हैं। जी20 देशों में मौजूदा फ़ोसिल फ़्यूल कर, जो CO_2 उत्सर्जन पर प्रति टन औसतन केवल 3.2 है, वास्तविक सामाजिक लागतों को प्रतिबिंबित करने में विफल है, खासकर जब फ़ोसिल फ़्यूल कंपनियां रिकॉर्ड मुनाफा कमा रही हैं।

फ़ोसिल फ़्यूल की कीमतों को कृत्रिम रूप से कम करने से जलवायु परिवर्तन बढ़ जाता है, जिससे अधिक बार और तीव्र चरम मौसम की घटनाएं होती हैं। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट फ़ोसिल फ़्यूल सब्सिडी को खत्म करने के लिए स्पष्ट समय सीमा निर्धारित करने की सिफारिश करती है, जिसमें विकसित देशों का लक्ष्य 2025 तक और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का लक्ष्य 2030 तक इस सबसिडी को खत्म करना है। लेखक इस बात पर जोर देते हैं कि सब्सिडी को केवल ऊर्जा पहुंच जैसे असाधारण मामलों में ही उचित माना जाना चाहिए। वास्तव में इसका लक्ष्य जरूरतमंद लोगों की सहायता करना होना चाहिए।

विशेषज्ञ इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि जन कल्याण के लिए लक्षित भुगतान जैसे वैकल्पिक तंत्र संकट के दौरान कमजोर आबादी की सहायता करने में कहीं अधिक प्रभावी हैं। रिपोर्ट स्वच्छ ऊर्जा के लिए समर्थन बढ़ाते हुए, 2014 और 2022 के बीच फ़ोसिल फ़्यूल सब्सिडी को 76 प्रतिशत तक कम करने में, वर्तमान जी20 अध्यक्ष, भारत द्वारा की गई सराहनीय प्रगति की ओर इशारा करती है।

इसके अलावा, सब्सिडी सुधार और कार्बन कराधान से प्राप्त धन का एक अंश – 2.4 ट्रिलियन के एक चौथाई से भी कम – को पुनः आवंटित करने से विभिन्न वैश्विक चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। इसमें पवन और सौर ऊर्जा के लिए निवेश अंतर को पाटना, 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता करना, विश्व की भूख को समाप्त करना, सार्वभौमिक बिजली और स्वच्छ खाना पकाने प्रदान करना और विकसित और विकासशील देशों के बीच जलवायु वित्त अंतर को कम करना शामिल है।

इसके अलावा, रिपोर्ट राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है, जो ऊर्जा परिदृश्य और ऋण देने को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। रिपोर्ट में इन संस्थाओं को निरंतर फ़ोसिल फ़्यूल निवेश से जुड़े जोखिमों से बचने के लिए महत्वाकांक्षी नेट-शून्य रोडमैप के लिए प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। पिछले साल ऊर्जा संकट के बीच फ़ोसिल फ़्यूल कंपनियों को रिकॉर्ड मुनाफा होने के कारण, ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने के लिए आवश्यक चीज़ों के अनुरूप अपने व्यवसाय मॉडल को बदलने के लिए उनके पास बहुत कम प्रोत्साहन है। लेकिन सरकारों के पास उन्हें सही दिशा में ले जाने की शक्ति है, लैन ने निष्कर्ष निकाला।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं अलाइव न्यूज के मुख्य संपादक है।)

हिमाचल और उत्तराखंड त्रासदी: हम प्रकृति को मार रहे हैं, वो हमें मार रही है

हिमाचल प्रदेश में बारिश और उसके बाद हुए भूस्खलन में कम से कम 75 लोगों की जान जाने के बाद वहाँ की सरकार ने वहाँ राज्य स्तरीय आपदा घोषित कर दी. उत्तराखंड में भी हाल कुछ मिलता जुलता ही है.

विशेषज्ञों की मानें तो हम प्रकृति को मार रहे हैं, वो हमें मार रही है. उनका मानना है कि अब वक़्त पहाड़ी राज्यों में प्रकृति की इस विनाश लीला पर शोक मनाने का नहीं है. अब वक़्त है जलवायु परिवर्तन पर तत्काल कार्यवाही करने का. दरअसल वैज्ञानिकों का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम के लिए बदलती जलवायु और हमारी अक्रियाशीलता सीधे तौर पर ज़िम्मेदार है.

चरम मौसम पर दिख रहे हैं जलवायु परिवर्तन की उँगलियों के निशान

इन विनाशकारी घटनाओं को बढ़ावा देने वाली मूसलाधार बारिश को जलवायु परिवर्तन से प्रभावित मौसम के पैटर्न में बदलाव के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है. विशेषज्ञ इह भीषण भारी वर्षा के पीछे एक प्रमुख कारक के रूप में मानसून एक्सिस के उत्तर की ओर बढ़ने की ओर इशारा करते हैं. नेशनल सेंटर फ़ॉर एटमॉस्फेरिक साइंस और यूनिवर्सिटी ऑफ़ रीडिंग के मौसम विज्ञानी और अनुसंधान वैज्ञानिक डॉ. अक्षय देवरस के अनुसार, जलवायु परिवर्तन ने ऐसी घटनाओं की तीव्रता को बढ़ाने में एक निश्चित भूमिका निभाई है.

वो कहते हैं, ग्लोबल वार्मिंग कि वजह से हवा में नमी या मौइश्चर रखने की ज़्यादा क्षमता बढ़ जाती है. बारिश के मौसम में गरम हवा में यह अपेक्षाकृत अधिक

नमी भीषण बारिश की शक्ल में ऐसे ही तबाही मचा सकती है.

खतरे में हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र

दुनिया के सबसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्रों में से एक, हिमालय, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु के इन परिवर्तनों का खामियाजा भुगत रहा है. बढ़ते तापमान के कारण क्रायोस्फीयर – ग्लेशियर, बर्फ और पर्माफ़ॉस्ट – में अपरिवर्तनीय बदलाव हो रहे हैं, जिसका इन जल स्त्रोतों पर निर्भर डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है.

इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) ने अधिक ऊंचाई के क्षेत्रों पर तेजी से गर्मी बढ़ने, ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और अधिक अनियमित बर्फबारी के पैटर्न की चेतावनी दी है. जैसे-जैसे तापमान बढ़ता जा रहा है, इन परिवर्तनों के दूरगामी परिणाम होंगे-जैव विविधता के नुकसान से लेकर जल असुरक्षा और प्रकृतिक आपदाओं के खतरे में वृद्धि तक.

जलवायु कार्रवाई- अब नहीं तो कब?

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में होने वाली विनाशकारी घटनाएं वैश्विक और स्थानीय जलवायु कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को एक बार फिर सामने रखती हैं. विशेषज्ञ वैश्विक स्तर पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लिए ठोस प्रयासों के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर तत्काल अनुकूलन और शमन रणनीतियों की वकालत करते हैं.

भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रॉक्सी मैथ्यू कोल स्थानीय स्तर पर डिसास्टर-प्रूफिंग की आवश्यकता पर जोर देते हैं. वह कहते हैं, स्थानीय स्तर पर जलवायु कार्रवाई और एडाप्टेशन वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर मिटिगेशन के समानांतर चलना चाहिए. हमें उप-जिलावार मूल्यांकन के आधार पर स्थानीय स्तर पर डिसास्टर-प्रूफ करने की आवश्यकता है.

आगे, भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस में क्लिनिकल एसोसिएट प्रोफेसर (अनुसंधान) और अनुसंधान निदेशक अंजल प्रकाश, जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाओं के परस्पर संबंध पर प्रकाश डालते हैं। उनका दावा है, फ्रजैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन तेज हो रहा है, प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और गंभीरता बढ़ रही है।फ्र एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय में भूविज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर वाईपी सुंदरियाल शिवालिक रेंज की नाजुक प्रकृति पर जोर देते हैं। वह चेतावनी देते हैं, बढ़ता मानवजनित तनाव केवल आपदा को जन्म देगा।

पर्यटन और पर्वतारोहण दांव पर

जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम तात्कालिक सुरक्षा चिंताओं से कहीं आगे तक फैले हुए हैं. इन क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण पर्यटन और पर्वतारोहण क्षेत्रों को हिमस्खलन, भूस्खलन, बाढ़ और हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (जीएलओएफ) जैसे बढ़ते खतरों के कारण पर्याप्त चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. विभिन्न क्षेत्रों में जलवायु प्रभावों का अंतर्संबंध जलवायु संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए एक व्यापक, एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता को उजागर करता है.

जैसे-जैसे मानसून के प्रकोप से मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है, यह स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन इन क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा रहा है. तत्काल और निरंतर जलवायु कार्रवाई अब एक विकल्प मात्र नहीं है, बल्कि जीवन, आजीविका, और हिमालय के नाज़ुक पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए अनिवार्य कार्यवाही है.

पेज एक का शेष

साम्प्रदायिक दंगे और उनका इलाज

सरकार की ताकत अपने हाथों में लेने का प्रयत्न करो। इन यत्नों से तुम्हारा नुकसान कुछ नहीं होगा, इससे किसी दिन तुम्हारी जंजीरें कट जायेंगी और तुम्हें आर्थिक स्वतन्त्राता मिलेगी।

जो लोग रूस का इतिहास जानते हैं, उन्हें मालूम है कि जार के समय वहाँ भी ऐसी ही स्थितियाँ थीं वहाँ भी कितने ही समुदाय थे जो परस्पर जूत-पतांग करते रहते थे। लेकिन जिस दिन से वहाँ श्रमिक-शासन हुआ है, वहाँ नक्शा ही बदल गया है। अब वहाँ कभी दंगे नहीं हुए। अब वहाँ सभी को 'इन्सान' समझा जाता है, 'धर्मजन' नहीं। जार के समय लोगों की आर्थिक दशा बहुत ही खराब थी। इसलिए सब दंगे-फसाद होते थे। लेकिन अब रूसियों की आर्थिक दशा सुधर गयी है और उनमें वर्ग-चेतना आ गयी है इसलिए अब वहाँ से कभी किसी दंगे की खबर नहीं आयी।

इन दंगों में वैसे तो बड़े निराशाजनक समाचार सुनने में आते हैं, लेकिन कलकत्ते के दंगों में एक बात बहुत खुशी की सुनने में आयी। वह यह कि वहाँ दंगों में ट्रेड यूनियन के मजदूरों ने हिस्सा नहीं लिया और न ही वे परस्पर गुत्थमगुत्था ही हुए, वरन् सभी हिन्दू-मुसलमान बड़े प्रेम से कारखानों आदि में उठते-बैठते और दंगे रोकने के भी यत्न करते रहे। यह इसलिए कि उनमें वर्ग-चेतना थी और वे अपने वर्गहित को अच्छी तरह पहचानते थे। वर्गचेतना का यही सुन्दर रास्ता है, जो साम्प्रदायिक दंगे रोक सकता है।

यह खुशी का समाचार हमारे कानों को मिला है कि भारत के नवयुवक अब वैसे धर्मों से जो परस्पर लड़ाना व घृणा करना सिखाते हैं, तंग आकर हाथ धो रहे हैं। उनमें इतना खुलापन आ गया है कि वे भारत के लोगों को धर्म की नजर से-हिन्दू, मुसलमान या सिख रूप में नहीं, वरन् सभी को पहले इन्सान समझते हैं, फिर भारतवासी। भारत के युवकों में इन विचारों के पैदा होने से पता चलता है कि भारत का भविष्य सुनहला है। भारतवासियों को इन दंगों आदि को देखकर घबराना नहीं चाहिए। उन्हें यत्न करना चाहिए कि ऐसा वातावरण ही न बने, और दंगे हों ही नहीं।

1914-15 के शहीदों ने धर्म को राजनीति से अलग कर दिया था। वे समझते थे कि धर्म व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है इसमें दूसरे का कोई दखल नहीं। न ही इसे राजनीति में घुसाना चाहिए क्योंकि यह सरबत को मिलकर एक जगह काम नहीं करने देता। इसलिए गदर पार्टी जैसे आन्दोलन एकजुट व एकजान रहे, जिसमें सिख बढ़-चढ़कर फाँसियों पर चढ़े और हिन्दू मुसलमान भी पीछे नहीं रहे।

इस समय कुछ भारतीय नेता भी मैदान में उतरे हैं जो धर्म को राजनीति से अलग करना चाहते हैं। झगड़ा मिटाने का यह भी एक सुन्दर इलाज है और हम इसका समर्थन करते हैं।

यदि धर्म को अलग कर दिया जाये तो राजनीति पर हम सभी इकट्ठे हो सकते है। धर्मों में हम चाहे अलग-अलग ही रहें।

हमारा ख्याल है कि भारत के सच्चे हमदर्द हमारे बताये इलाज पर जरूर विचार करेंगे और भारत का इस समय जो आत्मघात हो रहा है, उससे हमे बचा लेंगे।

(यह लेख वेबसाइट भगतसिंह 1928 से लिया गया है)

ब्यूरोक्रेसी में बंधन तोड़ती और बुलंदी पर ...

के दौरान अनुभव किया है कि महिलाएं, अपने अद्वितीय जीवन अनुभवों और दृष्टिकोणों के माध्यम से, शासन के लिए अधिक विविध और समावेशी दृष्टिकोण में योगदान देती हैं। इसलिए ब्यूरोक्रेसी में जेंडर डायवर्सिटी को बढ़ावा देने से यह सुनिश्चित होता है कि नीतियां और कार्यक्रम सभी नागरिकों की आकांक्षाओं और जरूरतों को सही मायनों में प्रतिनिधित्व करने वाले हों। इससे एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत समाज को बढ़ावा मिलता है।

तो, आइए हम महिलाओं को शिक्षित करने, उन्हें बराबरी के अवसर देने, वर्कप्लेस पर उन्हें प्रोत्साहित करने और उनका सहयोग अथवा समर्थन करने की मुहिम में एकजुट हों, क्योंकि महिलाओं की सफलता आंतरिक रूप से हमारे राष्ट्र की समृद्धि से जुड़ी हुई है। साथ मिलकर, हम एक विकसित भारत की कल्पना को साकार कर सकते हैं, जहां प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता का पोषण किया जाता है, और जहां महिलाओं की परिवर्तनकारी शक्ति का जश्न मनाया जाता है, उसे संजोया जाता है और सभी के सामूहिक लाभ के लिए उसका उपयोग किया जाता है।

(लेखक 2008 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और फ़िलहाल रेजिडेंट कमिश्नर, त्रिपुरा भवन, नई दिल्ली के पद पर तैनात हैं। ये उनके निजी विचार हैं।)

रेल मंत्रालय अब परिवार कल्याण कार्यक्रम में भी भागीदार !

जैसे हमारे शरीर में बहुत से विभाग होते हैं सञ्चालन हेतु जैसे पाचनतंत्र, रक्तसंचरण तंत्र, श्वसन तंत्र, अस्थि तंत्र, नर्वस सिस्टम, रीनल सिस्टम। आदि आदि, संसार को चलने में सूर्य, चन्द्रमा, पृथ्वी, जल, वायु, आकाश, अग्नि, फिर मौसम। कुआँ, तालाब, नदी, नाले, समुद्र आदि होते हैं फिर फसल जो हमारे भोजन के लिए आवश्यक हैं। गर्मी, सर्दी, बरसात। इसी प्रकार सरकार में भी कई सरकार होती हैं जैसे केंद्र, राज्य, स्थानीय, पंचायत आदि।

केंद्र सरकार में भी राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, संसद और उनके मंत्रिमंडल। मंत्री मंडल में भी बहुत सारे विभाग हैं जो एक दूसरे के लिए बनते हैं और सबसे अधिक वित्त मंत्री होते हैं उनके द्वारा ही सबको बजट दिया जाता हैं और वैसे भी कुबेर की और सब कृपा भाव से देखते हैं और उनकी कृपा पर ही विकास संभव होता हैं। उसके बाद गृह, रक्षा, स्वस्थ्य, रेल इत्यादि विभाग हैं और सबका साथ और सबका विकास का सूत्र सब पर लागु होता हैं। कृषि से भोजन, योजना से भविष्य, जिस प्रकार शरीर के प्रत्येक अंग प्रत्यंग बराबर के उपयोगी हैं इसी प्रकार सरकार के प्रत्येक विभाग विकास के सहयोगी हैं।

वर्तमान में हमारे देश की आबादी लगभग 135 करोड़ के ऊपर पहुंच रही हैं यानि हम चीन से अग्रणी होने जाने जा रहे और सरकार ने 1975 में परिवार नियोजन का सूत्र अपनाया था उसके बाद परिवार कल्याण विभाग का सूत्रपात हुआ. और हम स्वतंत्रता के बाद करीब 5 गुना आबादी में बढ़ गए । यह प्रगति का शुभ संकेत हैं ! जितना आबादी उतना संकट.इसके लिए स्वस्थ्य मंत्रालय ने रेल मंत्रालय से यह अनुबंध कर लिया की आप एक्सीडेंट के माध्यम से आबादी कम करे और प्रभु के द्वारा प्रभु तक पहुंचने का सही मार्ग हैं। इससे सरकार को आबादी कम करने में सुगमता हैं।

हमारे मध्य प्रदेश में तो किसान आंदोलन में मरने वाले को 1 करोड़ दिया गया जिस पर मुकदमा चल रहा हैं पर रेल बहुत सुरक्षित हैं इस मामले कारण रेल दुर्घटना सबके सामने होती हैं और उसमे यात्री की कही भी गलती नहीं होती, इससे यात्री बच जाते हैं सरकारी कर्मचारी भी निलंबन के बाद जीत जाता हैं और उसको सम्पूर्ण भुकतान मिलता हैं।

आने वाले समय में जब वरिष्ठ कर्मचारी सेवा निवृत होंगे और फिर आरक्षण के कारण जो भी भर्ती होंगी उनकी योग्यता के आधार पर रेल सञ्चालन होगा और वह सञ्चालन उत्कृष्ट होगा जिससे शासन को भी लाभ होगा और जनता भी खुश रहेंगी. कमसे कम रेल दुर्घटना के बाद उसके परिवार को अनुग्रह राशि मिलेंगी और वह तो सुखद मौत मरेंगा और परिवार को उपादेय होगा.कम से कम परिवार मृत आत्मा को शांति देगा और आर्थिक सम्पन्नता होंगी। पर यह सब होगा आरक्षण करने बाद यात्रा करने वालों को। पर सामान्य दर्ज़े वाले को कोई लाभ नहीं होगा कारण वह अनारक्षित हैं और शायद अनार्क्षितों को लाभ नहीं मिलता जितना आरक्षित जानो को मिलता हैं।

इन एक्सीडेंट के बहाने नै रेल गाड़ियां बनेंगी, पटरी सुधरेंगी और धीरे धीरे जन-संख्या कम होंगी और सरकार यह नहीं कह सकेंगी की डॉक्टरों की लापरवाही से मौतें हुई, इस कलंक से स्वास्थ्य विभाग बच जाएंगे और रेल विभाग तो पहले से ही प्रसिद्ध हैं क्योकि रेल में यात्रा करने से बीमा होने से सरकार को आमदनी होती हैं और बीमा होने से बीमा कंपनी को भुगतान करना होंगे, प्रधान मंत्री सहायता कोष तो हमेशा तैयार रहता हैं। उसका अलग। हमारे मध्य प्रदेश में तो किसान आंदोलन में मरने वाले को 1 करोड़ दिया गया जिस पर मुकदमा चल रहा हैं पर रेल बहुत सुरक्षित हैं इस मामले कारण रेल दुर्घटना सबके सामने होती हैं और उसमे यात्री की कही भी गलती नहीं होती, इससे यात्री बच जाते हैं सरकारी कर्मचारी भी निलंबन के बाद जीत जाता हैं और उसको सम्पूर्ण भुकतान मिलता हैं।

इसी प्रकार हमारे देश में बरसात में बाढ़ के कारण भी बहुत मृत्यु होती हैं, गर्मी से भी लू के कारण और ठण्ड में अलाव न लगाने के कारण बेचारे मरते हैं उनमे कोई अनुग्रह राशि का प्रावधान न होने से सरकार का कोई धन खरच होता और आबादी कम हो जाती हैं उसका प्रतिशत कम होता हैं, रेल एक्सीडेंट की अपेक्षा। ईश्वर के हाथ में कुछ नहीं वर्तमान में, वर्तमान अश्विनी वैश्य ही हैं आबादी नियंत्रण करने के लिए. खूब विभाग एक्सीडेंट में प्रगति कर स्वस्थ्य विभाग के सपनों को पूरा करे यही हम प्रार्थना कर सकते हैं। ? शांति आपके अनुकरणीय सहयोग के लिए और इसका विकास निरंतर हो।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@gmail.com
website: www.alivenews.co.in

जीवा आयुर्वेद नें थाईलैंड में दो नए सेंटर शुरू करने की घोषणा

Faridabad/Alive News

दिल्ली एनसीआर में आयुर्वेद के क्षेत्र में स्थापित घरेलू नाम जीवा आयुर्वेद ने पहले दो सेंटर्स मंगलवार को थाईलैंड के पहाड़ी क्षेत्र पाक थोंग चाई और उत्तरी वन क्षेत्र चियांग माई में स्थापित किये जायेंगे।

जीवा समूह के अध्यक्ष ऋषि पाल चौहान ने iRETREAT के साथ पार्टनरशिप की घोषणा हेतु आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जीवा आयुर्वेद और iRETREAT के बीच यह परस्पर सहयोग समग्र स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैद्य जो आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान, ध्यान और चेतना की परिवर्तनकारी शक्ति को एक साथ लाता है। इस विस्तार के माध्यम से जीवा आयुर्वेद दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में आयुर्वेदिक पद्धतियों और उत्पादों का प्रसार करेगा, जिससे जनता को स्वस्थ और अधिक समग्र स्वास्थ्य प्रबंधन समाधान उपलब्ध होंगे।

चौहान ने कहा कि यह सहयोग स्वास्थ्य

देखभाल में आयुर्वेद की परिवर्तनकारी क्षमता के बारे में वैश्विक जागरूकता को एक नई दिशा प्रदान करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आयुर्वेद, माइंडफुलनेस और ध्यान का महत्व और समग्र स्वास्थ्य के कल्याण को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका को पहचानने से निस्संदेह दुनिया भर के लोगों के लिए एक स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा।

वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि वह आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान और ध्यान की परिवर्तनकारी शक्ति को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त प्रयास के लिए जीवा आयुर्वेद और iRETREAT को बधाई देते हैं।

भारत व्यापक वैश्विक जन-कल्याण के लिए आयुर्वेद के विशाल ज्ञान को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। आयुष मंत्रालय की स्थापना के बाद से उनका उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा को अधिक लोगों तक पहुंचाने, ज्ञान प्रदान करने और इसकी वैश्विक पहुंच को बढ़ावा देने में उत्प्रेरक के रूप में काम करना रहा है। इस तरह की अनूठे पहल के माध्यम से उनका लक्ष्य दुनिया को आयुर्वेद और ध्यान की वास्तविक क्षमता का एहसास कराने में सक्षम बनाना है, जिससे अंततः एक स्वस्थ और अधिक संतुलित दुनिया का मार्ग प्रशस्त होगा।

iRETREAT के संस्थापक मोंक ड्यूक ने संयुक्त उद्यम की सराहना करते हुए कहा कि जीवा आयुर्वेद के साथ उनका सहयोग वैश्विक मानसिक कल्याण के लिए उनकी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आयुर्वेद के प्राचीन और अद्भुत ज्ञान तथा शांति एवं ध्यान की पद्धतियों को मिलाकर वह आंतरिक शांति और आत्म-खोज को बढ़ावा देने की दिशा में मंगलवार को वह एक छलांग लगा रहे हैं। आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान और iRETREAT के ध्यान और माइंडफुलनेस की पद्धतियों के एकीकरण के माध्यम से जीवा और iRETREAT सेंटर्स मन, शरीर और आत्मा को पोषित करेगी ताकि आगंतुकों के जीवन में व्यापक, गहरा और स्थायी सकारात्मक प्रभाव पैदा हो सके।

इस अवसर पर प्रसिद्ध आध्यात्मिक, टीवी व्यक्तित्व और वरिष्ठ राजयोग ध्यान शिक्षिका, बहन बी.के शिवानी ने इस पहल की सराहना की और कहा कि जीवा आयुर्वेद और द्वत्रथ्रञ्ञत्रथ्रञ्ञ के बीच यह सहयोग समग्र वैलनेस की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान और iRETREAT की परिवर्तनकारी ध्यान प्रथाओं का एकीकरण व्यक्तियों को आंतरिक शांति प्राप्त करने और उनके जीवन में सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए सशक्त बनाएगा।

विश्व हिंदू आर्थिक मंच के स्वामी विज्ञानानंद ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जीवा आयुर्वेद और iRETREAT का गठबंधन वैश्विक शांति और खुशहाल जीवन प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है। यह पहल योग और वेदांत के आदर्शों का प्रतीक है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों के लिए आत्म-साक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त करती है।

विशाल भंडारे के साथ हुआ श्री शिव महापुराण कथा का समापन

Faridabad/Alive News

शाहदरा भोलानाथ नगर के राधा कृष्णा मनीराम मंदिर में पुरुषोत्तम माह के उपलक्ष में आठ दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन कलश यात्रा से शुरू हुआ और आज एक विशाल भंडारे के साथ हुआ। इस श्री शिव महापुराण कथा के यजमान कुलदीप चौहान और उनकी पत्नी ममता वर्मा सहित चौहान परिवार रहा। श्री शिव महापुराण कथा का वाचन आचार्य विनय कुमार तिवारी महाराज किया। प्रत्येक दिन श्री शिव महापुराण कथा सुनकर सभी श्रद्धालुओं ने चौहान परिवार और मंदिर कमेटी का आभार प्रकट किया। कथा प्रत्येक दिन दोपहर 3 बजे से शुरू होकर शाम 7 बजे तक चली, जिसमें अलग अलग दिन आशीर्वाद लेने कांग्रेस के पूर्व मंत्री डॉ नरेंद्र नाथ, पूर्व निगम पार्षद निर्मल जैन, एडवोकेट दिनेश कुमार गुप्ता, एडवोकेट विजेंद्र कुमार, बीजेपी के महासचिव अशोक शरीक, कृष्णा नगर कांग्रेस महासचिव प्रदीप कुमार यादव, विमला देवी, थाना विवेक विहार से एसआई यशपाल पहुंचे। इस श्री शिव महापुराण कथा में मंत्रोचारण पंडित पंकज त्रिपाठी, राहुल अग्निहोत्री, आसुतोष मिश्रा, पंडित रामलाल मिश्रा, पंडित सुजीत उपाध्याय, श्रीनिवास पांडये ने किया।

राजकीय महाविद्यालय के छात्र ने उत्तीर्ण की CSIR-UGC-JRF परीक्षा

Faridabad/Alive News

पण्डित जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय के एम.ए. गणित के मेधावी छात्र पीयूष गुप्ता ने CSIR-UGC-JRF में चौथा स्थान व विकास ने 60वां स्थान हासिल कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

इस उपलब्धि पर प्राचार्या डॉ रूचिरा खुल्लर व गणित विभाग को ओर से छात्रों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर छात्रों ने अपने शिक्षक गण व महाविद्यालय का आभार व्यक्त किया।

सीजीएसटी एडीसी राजेश के तबादले पर व्यापारी और टैक्स कंसलटेंट ने दी विदाई

Faridabad/Alive News

सीजीएसटी के एडीसी राजेश कुमार का तबादला होने के पश्चात उनका विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विदाई देने वालों में फरीदाबाद जिला टैक्स बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट संदीप सेठी, सीएमए फरीदाबाद चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष सचिन कथूरिया ने अपने साथियों के साथ राजेश कुमार को बुक्के देकर विदाई दी। उपस्थित व्यापारियों व अधिवक्ताओं को सम्बोधित करते हुए एडवोकेट संदीप सेठी ने कहा कि टैक्स रिफॉर्म के तहत जीएसटी प्रणाली की शुरुआत हुई जिसमें अधिकारियों ने काफी मशक्कत के बाद सामान्यत~ संचालन कराया जिससे व्यापारियों एवं प्रोफेशनल्स को अब काफी राहत महसूस हो रही है और सरकार का रेवेन्यू भी बढा है, आईआरएस राजेश कुमार के कार्यकाल में कई जगह बड़ी रेड्स हुई हैं और व्यापारियों को राहत देने में उनकी कार्यशैली ऐसी रही है की सामान्य व्यापारी उद्योगपति और प्रोफेशनल्स काफी राहत महसूस करते रहे हैं। उनके कार्य को सराहा जाएगा। उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए एडवोकेट सेठी ने बताया कि राजेश कुमार ने अपने कार्यकाल के दौरान करदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उन्होंने कर विभाग के कई प्रोजेक्ट्स को सही दिशा में अग्रसर करने के लिए भी कदम उठाए हैं। सीएमए सचिन कथूरिया ने बताया की प्रशासनिक कौशल और नेतृत्व का समर्थन करते हुए सरकार की नीतियों को धरातल पर लागू करवाया पेशेवर और व्यवसायिक समुदाय में उनके कामों की काफी सराहना रही है, उद्योगपति दशरथ चौरसिया, निलेश झा, विक्रम सिंह आदि लोगों ने भी एडीसी राजेश कुमार की

नई कर नीतियों में व्यापारियों का सहयोग और करदाताओं को उनको अधिकारों व कर्तव्य के प्रति संकल्पित करते रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप बहुत सारी समस्याओं का निराकरण हुआ। प्रतिनिधि मंडल में शामिल सभी अधिवक्ता, व्यापारी नई जिम्मेदारियों का निर्वहन बहुत अच्छे से कर सकेंगे और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की आए हुए सभी लोगों ने भेंट स्वरूप पौधे व पटका पहनाकर विदा किया।

डी.ए.वी स्कूल ने स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया धूमधाम से

Faridabad/Alive News

भारतवर्ष के वीरों की गाथा और उनकी कुर्बानी से मिले आज़ादी के महापर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेक्टर-49 के डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल में शनिवार को हर तरफ़ देशभक्ति की छवि नज़र आई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रांगण में हर तरफ़ केसरिया, हरे और सफ़ेद रंग की छटा बिखरी नज़र आ रही थी।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल हिमांशी सिंह के स्वागत और उनके द्वारा दीपशिखा प्रज्वलित करके किया गया। उसके बाद हिमांशी सिंह की देश सेवाओं पर एक लघु वीडियो प्रदर्शित की गई। तत्पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य राजन गौतम ने अभिभावकों और विद्यार्थियों को प्रेरणा देते हुए कहा कि अभिभावकों को बच्चों को सकारात्मक चीजों की ओर अग्रसर करना चाहिए, साथ ही बच्चों को भविष्य में देश सेवा के तत्पर रहने की प्रेरणा दी। उसके बाद यू .के .जी. 'अ' की विशेष सभा में नन्हें-मुन्हें बच्चों ने भारत माता को नमन किया। कविता और नृत्य द्वारा विद्यार्थियों ने सबका मन मोह लिया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि हिमांशी सिंह ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि डी.ए.वी. एक ऐसी संस्था है जो आधुनिक शिक्षा पद्यति के साथ-साथ वैदिक संस्कार भी प्रदान करती है। साथ ही उन्होंने प्रधानाचार्य राजन गौतम की सादगी, कर्मठता, लगन एवं दूरदर्शिता की

प्रशंसा करते हुए विद्यालय की प्रगति की शुभकामना और आशीर्वाद दिया। मुख्य अतिथि के संबोधन के बाद पाँचवी 'डी' के विद्यार्थियों ने लघुनाटिका 'Patriotic Hero's' का मंचन किया, जिसे देखकर पूरा सभागार भावविभोर हो गया। शहीदों को याद करके सबकी आँखें नम हो गई। बच्चों ने कविता और नृत्य के माध्यम से अपनी देशभक्ति प्रदर्शित की। अंत में शांतिपाठ, राष्ट्गान और भारत माता के नारों और वन्दे मातरम् के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विभाजन की विभिषिका में मिले कई दर्द, मंच पर किया साझा

Faridabad/Alive News

शनिवार को विभाजन विभिषिका कार्यक्रम का आयोजन एनआईटी स्थित गोल्फ क्लब के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 14 अगस्त, 1947 को भारत के लिए रवाना हुई ट्रेन में शामिल लोगों को मंच पर बैठाया गया। कार्यक्रम का संचालन मोहन सिंह भाटिया द्वारा किया गया।

इसमें सुरेन्द्र सिंह को उस समय 5 वर्ष की उम्र में 5 गोलियां लगी थी और उनका अंगूठा उस त्रासदी में कट गया था। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आजादी के इतिहास से अवगत कराया। बडख़ल की विधायक सीमा त्रिखा ने विभाजन की विभिषिका के दर्द को साझा करते हुए कहा कि एक बार तो हम कट-फट गए हैं, लेकिन दोबारा हमें कोई काट और बांट न पाए। यह भावना हमारे सर्व समाज में रहने चाहिए।

जब हमारे बुजुर्ग वहां से आए तो जो मंजर वो बताते हैं कि बेटियों-बहनों की अस्मिता बचाने के चक्कर में जब वह उनकी इज्जत नहीं बचा पाए, तो उन्होंने स्वयं अपनी बहन-बेटियों का कत्ल कर दिया। उस समय हालात ऐसे थे कि उनकी इज्जत बचाना मुश्किल था। सीमा त्रिखा ने कहा कि हमारे बुजुर्गों के अदम्य साहस एवं सहिष्णुता की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। फरीदाबाद शहर की पहचान में इनके पुरुषार्थ का बहुत बड़ा योगदान है। कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने भी शिरकत की।

मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम के तहत वायु सेना के जवानो के साथ किया पौधारोपण

Faridabad/Alive News

आजादी का जश्न मनाने और वीर जवानों को याद करने के लिए देशभर मे 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम जोरों पर हैं। वही, इसी कड़ी मे हार्डवेयर चौक से प्याली चौक तक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन कुमाऊ सांस्कृतिक मण्डल (रजि0) फरीदाबाद द्वारा लगभग 60 पौधे ट्री गार्ड के साथ लगाए गए। कार्यक्रम मे वायु सेना स्टेशन फरीदाबाद के लगभग 60 जवान ने शिरकत भी की और पोधारोपण कार्यक्रम मे सहयोग किया।

पोधारोपण कार्यक्रम के अवसर पर कुमाऊ सांस्कृतिक मण्डल के अध्यक्ष दिगम्बर सिंह बिष्ट ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का सम्मान करना है, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उन्होंने बताया की आज हमने उन सभी जवानो को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए इस पूरे हार्डवेयर प्याली मार्ग पर नीम, पीपल, बढ़, कदम, पिलखन, गूलर, टीपोबईया, पिलखन, अलिसटोनीय आदि के 8 से 10 फुट के पोधे लगाने का कार्य किया है।

इस अवसर पर वायु सेना के स्क्वाड्रन लीडर अंकित ने बताया कि मेरी माटी मेरा देश आजादी का अमृत महोत्सव का समापन कार्यक्रम होगा, जिसके तहत भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का उत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल आयोजित राष्ट्रव्यापी अभियान, हर घर

तिरंगा बेहद सफल रहा था और इस साल आजादी का अमृत महोत्सव के तहत एक और महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'मेरी माटी मेरा देश' शुरू किया जा रहा है जिसमें हम सभी के लिए अपनी विराट संस्कृति विरासत के अवलोकन तथा मातृ भूमि के वीर सपूतों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, के योगदान से प्रेरणा लेने का स्वर्णिम अवसर है। हम सभी संकल्पित होकर इस महोत्सव को मनाएं यह हमारे लिए परम सौभाग्य का अवसर होगा। वायु सेना स्टेशन से आए कैप्टन अमित कुमार ने बताया कि वीरों को श्रद्धांजलि के रूप में शिलाफलकम स्थापित करना, मिट्टी का नमन और वीरों का वंदन, मेरी माटी मेरा देश अभियान के प्रमुख घटक हैं। उन्होंने कहा कि इस साल भी हर घर तिरंगा का आयोजन किया जाएगा, लेकिन इसे मेरी माटी मेरा देश के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में मनाया जाएगा। कैप्टन ने अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने और इसे देश के हर कोने तक ले जाने में मीडिया की भूमिका पर भी प्रकाश डाला व कुमाऊ सांस्कृतिक मण्डल (रजि0) फरीदाबाद के समस्त कार्यकारिणी सदस्यों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम संयोजक हिमांशु भट्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को पंचप्राण की शपथ दिलाई व वायु सेना स्टेशन से अधिकारियों के द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गया। कार्यक्रम में वायु सेना स्टेशन से आए अधिकारियों, सैनिकों एवं सहयोगी संस्थानों के लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से कमल किशोर अधिकारी, गोविंद पवार, नंदन सिंह रावत, महेंद्र सिंह रोतेल, नंदन सिंह करकोटी, डोंगर सिंह नेगी, गोविंद सैनी, राहुल वर्मा एवं समस्त कार्यक्रणी के सदस्यों व आचार्य प्रकाश चंद फूलोरिया का विशेष योगदान रहा व अन्य जनप्रतिनिधि गण मौजूद रहे।

डायनैस्टी इंटरनेशनल स्कूल ने स्वतंत्रता दिवस का जश्न बड़े उत्साहपूर्वक मनाया

Faridabad/Alive News

डायनैस्टी इंटरनेशनल स्कूल ने बीते शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस का जश्न बड़े उत्साहपूर्वक मनाया। स्वतंत्रता एक ऐसा अमूल्य वरदान है जिसे धन के माध्यम से प्राप्त नहीं किया जा सकता, यह कई स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष का परिणाम है। हमें अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए वर्तमान एवं भविष्य हेतु उसका सम्मान करना चाहिए। सर्वप्रथम स्कूल के प्रधानाचार्य नितिन वर्मा, निदेशिका कल्पना वर्मा, उपप्रधानाचार्या एवं विद्यालय के तीनों विभागों की सह संयोजिकाओं द्वारा झंडा रोहण किया गया तथा राष्ट्रगान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। इसके बाद स्कूल विद्यार्थी परिषद के निर्देशन में (मार्चपास्ट) अभिमुख प्रयाण किया गया, जिसमें देश के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। कार्यक्रम उत्साह पूर्वक प्रारंभ हुआ। जिसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। नन्हें-मुन्हें विद्यार्थियों ने जिस प्रकार से स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा में संवाद बोले, वह अत्यन्त भाव-विभोर कर देने वाला दृश्य था। इस अवसर पर गायन तथा नृत्य के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी कला के प्रदर्शन से देश के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति की है। देशभक्ति की कविताएँ, गीत भाषण एवं नृत्य के कार्यक्रमों ने सम्पूर्ण वातावरण को देशभक्तिमयी कर दिया। इस प्रकार यह आयोजन अत्यंत धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

जीवा स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आज़ादी का पर्व

Faridabad/Alive News

सेक्टर-21बी स्थित जीवा स्कूल में आज़ादी के 76 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्रों ने विभिन्न क्रियकलाओ के माध्यम से देशभक्ति की भावना को प्रस्तुत किया। इसी श्रृंखला में छात्रों ने अलग अलग कार्यक्रम प्रस्तुत किए व अपने विचारों को सुंदर रंग में रंग दिया। कक्षा पहली से लेकर बारहवीं तक के छात्रों ने बढ़चढ़कर इस पर्व में अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी। अध्यापिकाओं ने भी स्वतंत्रता के इस अवसर पर स्वतंत्रता के महत्व को बताया एवं उन शहीदों के विषय में भी बताया जिनके कारण देश को आज़ादी मिली। शनिवार के कार्यक्रम में छात्रों ने एक सुंदर देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये। देश भक्ति गीत पर नृत्य भी प्रस्तुत किये। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने देश भक्ति और कर्तव्य से संबंधित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किये। कुछ छात्रों ने माइम नाटक के ही एक विधा के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के सभी विशेष घटनाक्रमों

पर भी प्रकाश डाला। किंडरगार्टन के नन्हे-मुन्ने बच्चो ने भी नृत्य प्रस्तुत किया। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषि पाल चौहान, उपाध्यक्ष चंद्रलता चौहान, एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेव और प्रिंसिपल अपर्णा शर्मा ने भी कार्यक्रम में विशेष रूप से भाग लिया । इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषि पाल चौहान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज़ादी का वास्तविक अर्थ है स्वयं को अनुशासित करना, अनुशासन के बिना स्वतंत्रता अराजकता में बदल जाती है। इसलिए अनुशासन में रहना सबके लिए अनिवार्य है। विद्यालय की प्रिंसिपल अपर्णा शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि हम यदि देश के लिए एक छोटा सा प्रयास करते हैं तो यह भी देश भक्ति कहलाती है। अत~ हमें अपने देश के लिए हर तरह से योगदान करना चाहिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रोजेक्ट देख विद्यार्थियों की पीठ थपथपाई

Faridabad/Alive News

युवा, सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल मलिक ने शुक्रवार को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक लैब का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों के रिसर्च पर आधारित प्रोजेक्ट देख उनकी पीठ थपथपाई। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए ई व्हीकल की ड्राइव लेकर उन्होंने इसे टेस्ला की तर्ज पर स्मार्ट ई व्हीकल बनाए जाने की योजना का स्वागत किया। विश्वविद्यालय परिसर पहुंचने पर कुलपति डॉ. राज नेहरू ने अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल मलिक का भव्य स्वागत किया और देश के पहले कौशल विश्वविद्यालय की अवधारणा तथा भविष्य की योजनाओं का ब्यौरा प्रस्तुत किया। कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा ने विश्वविद्यालय

के मिशन और विजन पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय उद्यमिता एवं कौशल विकास पर आधारित महत्वकांक्षी परियोजना है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अर्न व्हाईल लर्न मॉडल से लेकर ऑन द जॉब ट्रेनिंग और रिकॉग्निशन आफ प्रायर लर्निंग सरीखे अनुपम मॉडल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि उद्योग और कारपोरेट में आ रहे नित्य नए बदलाव के अनुरूप श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय जॉब रोल और उसके लिए मानवीय संसाधन तैयार कर रहा है।

कुलपति डॉ. राज नेहरू ने अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल मलिक को विश्वविद्यालय के अत्याधुनिक लैब और उनमें चल रहे प्रोजेक्ट दिखाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव विश्वविद्यालय में स्थापित सिमुलेटर मशीन और सीएनसी मिलिंग मशीन पर विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट देख कर दंग रह गए। उन्होंने विद्यार्थियों की अन्वेषणात्मक सोच की सराहना की। अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल मलिक ने विद्यार्थियों के साथ दिलचस्प वार्ता की और उनके प्रोजेक्ट के बारे में जानकारियां लेते हुए बहुमूल्य सुझाव दिए।

उन्होंने विश्वविद्यालय के स्वावलंबन की ओर बढ़ते कदम का स्वागत किया। साथ ही कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। विश्वविद्यालय परिसर के मॉडल की उन्होंने मुक्तकंठ प्रशंसा की। अत्याधुनिक खेल परिसर देख कर उन्होंने यहां खेलों में अपार संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय जितना अकादमिक तौर पर उन्नत है, उतना ही भौतिक रूप से भी आधुनिक तथा सुंदर है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय में यातायात व्यवस्था को और सुगम बनाने की बात भी कही। अंत में उन्होंने ई व्हीकल चलाते हुए विश्वविद्यालय परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने कुलपति डॉ. राज नेहरू एवं कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा को अनुपम मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर डीन प्रो. ऋषिपाल, प्रो. आशीष श्रीवास्तव, प्रो. निर्मल सिंह, प्रो. सुरेश कुमार, प्रो. रणजीत सिंह, प्रो. एके वात्तल, प्रो. डी.के गंजू, प्रो. जॉय कुरियाकोजे, डॉ. सविता शर्मा, डॉ. संजय राठौर, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. ललित शर्मा, ओएसडी संजीव तायल, प्रिंसिपल डॉ. जलबीर सिंह, जेई नरेश संधू और वेब एडमिन प्रवीण आर्य उपस्थित थे।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

BJMC students did educational tour in All India Radio

Faridabad/Alive News

An educational visit to All India Radio was organized by J.C. Bose University's Department of Communication and Media Technology for the students of BAJMC 3rd Semester. The visit was conducted under the supervision of Assistant Professor, Dr. Taruna Narula and Production Assistant, Mr. Pankaj Saini of the department. The visit was organized under the guidance of the chairperson of the department, Dr. Pawan Singh. The aim of the visit was to give students an understanding about the working and structures of All India Radio. Through this visit, students got practical exposure to the studio, control room, and function of equipment used in the AIR Studio. Students also got an opportunity to meet and interact with the staff of All India Radio. Students also explored the latest technologies related to studio equipment's. Students also experienced how live programs take place at radio stations and also understood the technical aspects related to radio broadcasting. All India Radio Team members spoke to the students about the importance of AIR in this Digital World and motivated the students to listen to All India Radio for accurate knowledge and information. The visit was interactive; and meaningful for the students in which, they learned about the importance of All India Radio and understood its work and structure. In the end, students also enjoyed a cultural event 'Meri Mati-Mera desh' was organized by All India Radio. The live performance by ITBP (Indo-Tibetan Border Police) and their group made the visit memorable and remarkable. The visit was done under the guidance of Dean, FLAMS, Mrs. Poonam Singhal and Chairperson In charge of Communication and Media Technology, Dr. Pawan Singh and under supervision of Department's Assistant Professor, Dr. Taruna Narula and Production Assistant, Pankaj Saini. Vice Chancellor of J.C. Bose University, YMCA, Professor S.K. Tomar and Registrar, Dr. Sunil Garg congratulated for the successful event and said that such educational tours should be organized in future also so that media students get practical exposure.

DAV School NH-3 celebrated Independence Day

Faridabad/Alive News

To mark the 77th year of freedom from British Rule, DAV Public School, NH-3, NIT celebrated Independence Day as 'Azadi ka Amrit mahotsav' with great enthusiasm and patriotic fervor in the school premises.The School campus was beautifully decorated with Tricolour flags and flyers all around. The event was graced by Dr. N.K. Uberoi, the chairman of the school Dr. Satish Ahuja, the manager of the school and our eminent alumni- Mr. Sushant Nagar, Ms. Simran, Mr. Nitesh Tripathi, Mr. Aman Ahuja, Ms. Neha Bali, Mr. Azam Khan. They were all heartily welcomed with a token of gratitude by Ms. Jyoti Dahiya, the Principal of the School. The auspicious programme commenced with lighting of the ceremonial lamp that evoked the spirit of oneness, serenity and enlightenment amidst the chanting of heavenly shlokas. The event exuberated with cultural extravaganza. The eye-catching and scintillating dance performances on the songs 'jai Ho' ,'Balaak Bharat Maa ke Hum', 'Vijayi Bhav', 'Thodi se dhool meri', 'Mein Bharat ka Chehra Hun' stimulated love and reverence for beautiful motherland. The school choir presented immensely sublime songs that instilled positivity and courage among the spectators. To name a few- 'Har Karam Apna Karenge', 'Raghupati raghav' and 'hum Hindustani'. A Street play on Road Safety was showcased that aimed at sensitizing the audience about the importance of following traffic rules. The programme was aired live on YouTube to reach out to its maximum stake holders. Dr. N.K. Uberoi addressed the gathering with his insightful and thought provoking words. He emphasized on the significance of diversity and solidarity of the nation. The celebration was truly a memorable one, efficaciously creating an ambience of patriotism, integrity and harmony. The programme culminated with the vote of thanks by our Senior Superisor, Ms Sangita Roy. The Principal, Ms. Jyoti Dahiya appreciated the efforts of the faculty as well as the pupils. She made an appeal to one and all to make our country, a Land - Where the mind is without fear and the head is held high- quoting Guru Rabindranath Tagore.

Independence Day celebrated with enthusiasm at Ideal School Lakkarpur

Faridabad/Alive News

Ideal Public school Lakkarpur faridabad celebrated independence day. students perform different patriotic songs on different themes.patriotic soli dance competition was organised on the occasion of independence day. School Director Principal Dr.Sudesh bhadana told the students about the importance of independence and also remembered the martyrs who sacrificed their lives for the freedom

of the country. After hoisting the flag, he congratulated the children on Independence Day. In school program winners got there prize , certificate nd seems happy to won the tags. School Director Principal Dr.Sudesh bhadana congratulate all the winners and wish all the faculty as well as students a Happy independence day.

Short Term Course on Electric Vehicle Technologies Inaugurated

Faridabad/Alive News

A one-week Short Term Course on 'Electric Vehicle Technologies' organized by the Department of Electrical Engineering of J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad was inaugurated today.

The inaugural session was graced by Sh. Arun Kapoor CEO, JBM Green Energy Systems Gurugram and Prof. Mukhtiar Singh from Delhi Technological University, Delhi. The session witnessed the presence of senior functionaries including, Dean (Institutions) Prof. Sandeep Grover, Dean (FET) Prof. Rajkumar, Registrar Sunil Kumar Garg, Chairperson of the Electrical Engineering Department Dr. Anju Gupta, and various deans, chairpersons, and faculty members from other departments. The session was coordinated by Dr. Sakshi Kalra and Dr. Anubha Gautam.

The event commenced with the traditional lamp lighting ceremony, followed by a warm welcome address delivered by Dr.

Anju Gupta. In her speech, Dr. Gupta extended a hearty welcome to all the dignitaries and provided an overview of the program's objectives and significance.

Addressing the session, Prof. Grover emphasized on the significant importance of organising such short-term courses in the context of the rapidly evolving automotive and transportation industry. Such a course offers participants a focused and condensed opportunity to acquire valuable knowledge and skills related to electric mobility. The participants should make sure to take advantage of such opportunities.

Dean (FET) Prof. Raj Kumar lauded the department's initiative in organizing the course, acknowledging its role as a valuable resource for individuals seeking to remain competitive in a fast-changing industry, contribute to sustainable transportation solutions, and embrace the transformative potential of electric mobility.

Sh. Arun Kapoor, the keynote speaker, provided valuable insights into the intricate relationship between EV powertrain technologies and the evolving business landscape in the electric mobility sector. His session aimed to deepen the participants' understanding of the technical aspects of EV powertrains and their alignment with business strategies for sustainable market growth.

Prof. Mukhtiar Singh delivered an enlightening talk on "Integration of Electric Vehicles with Renewable Energy." The session provided attendees with a comprehensive understanding of the symbiotic relationship between EVs and renewable energy sources. By showcasing the potential benefits and challenges, the talk encouraged participants to envision a future where electric mobility and renewable energy systems work harmoniously to create a more sustainable and resilient energy ecosystem. This integration was discussed in terms of enhancing energy sustainability, grid stability, and reducing the overall environmental impact of transportation.

JC Bose University celebrated 77th Independence Day with patriotic fervour

Faridabad/Alive News

J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad today celebrated 77th Independence Day with patriotic fervour and gaiety. The Vice Chancellor of the University, Prof. Sushil Kumar Tomar hoisted the Tri-colour in the University premises. The Vice-Chancellor also took the salute at an impressive march-past presented by the Security Officials, NCC Cadets, and NSS volunteers of the University and addressed the gathering. Earlier, Prof. Tomar paid tributes to the martyrs at the War Heroes Gallery in the University. To keep alive the flame of patriotism, a bouquet of cultural programs was also presented. Students showcased their talents through poignant songs, soul-stirring poems, and captivating dance routines, paying tribute to the legacy of our nation. The students from schools namely Government Middle School, Rajpur Kalan and Sarvodaya High School, Ballabgarh

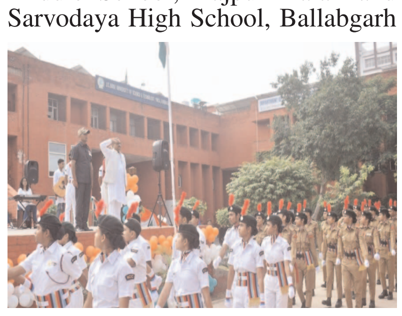

were also invited to participate in the program. In his address, Prof. Tomar congratulated the staff and students on the occasion of Independence Day. Highlighting the importance of the day, Prof. Tomar recalled the contributions of the great national leaders in the freedom struggle and urged that youth should take inspiration from the lives of great freedom fighters. The Vice-Chancellor also urged the students and staff to hoist the national flag at their houses under the 'Har Ghar Tiranga' campaign and said the tricolour is the symbol of pride and glory of the country. The Vice-Chancellor took the opportunity to highlight the recent accomplishments of the University, and he fervently appealed for continued contributions towards its progress. Prof. Tomar also provided insights into ongoing infrastructural developments and ambitious future plans that will elevate the University to a pinnacle of excellence in higher education. The program reached its culmination with a soul-stirring rendition of the National Anthem.

Ideal School Agwanpur celebrated Independence Day

Faridabad/Alive News

Independence Day was celebrated with enthusiasm at Ideal Public School, Agwanpur. The students of the school participated in various programs and remembered the martyrs. Chief guest Somlata Bhadana council member ward no 26 and Ravi Bhadana Social worker

had been welcomed on this auspicious occasion. Bhadana along with Ravi Bhadana, Chairman Rakesh Bhadana, Director of Operations Dr Sudesh Bhadana, Principal Reeta Khanna and Vice Principal Jagdish chand our National flag. Students enthusiastically participated and present patriotic dance, play and song. Somlata Bhadana inspire students for there better future . Students of school were told about how our freedom fighters struggled to attain Independence. Principal, Director and Chairman thanked our guests by giving them plant sapling as a token of love, also they motivated and congratulated students by distributing sweet on this auspicious day.

Celebrating the Legacy of Dr. Shanti Swarup Bhatnagar: A Curtain Raiser Program

Faridabad/Alive News

A curtain raiser program to celebrate the birth anniversary of Dr. Shanti Swarup Bhatnagar, noted scientist and founder Director of Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), was organized at JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad. The program was organized in collaboration with Vigyan Bharti Haryana. Prof. Gaurav Verma, from Dr. S.S. Bhatnagar University Institute of Chemical Engineering and Technology, Panjab University, Chandigarh, was keynote speaker for the occasion. The session was presided over by Prof. Sushil Kumar Tomar, Vice-Chancellor of JC Bose University.

The event commenced with a warm welcome by Dr. Jawahar Lal, President of VIBHA Haryana, who offered an insightful introduction to the program. He also outlined the details of the upcoming celebration of Dr. Shanti Swarup Bhatnagar's birth anniversary, which is scheduled to take place at NIT Kurukshetra on 12 August 2023.

In his keynote address, Prof. Gaurav Verma provided a captivating glimpse into the extraordinary life and pioneering work of Dr.

Shanti Swarup Bhatnagar. He highlighted the visionary leadership of Dr. Bhatnagar, who played a pivotal role in advancing science in India through CSIR Laboratories.

Earlier, Prof. Sushil Kumar Tomar, in his address, highlighted the invaluable contributions, vision, and accomplishments of Dr. Shanti Swarup Bhatnagar. He emphasized the significance of preserving Dr. Bhatnagar's legacy and motivating the current generation to uphold his ideals. Prof. Tomar underscored the depth of Indian science and the wisdom of Indian scientists, inspiring the audience to pursue scientific knowledge while emphasizing the importance of understanding concepts through one's mother tongue.

Concluding the event, Prof. Sathans, a member of VIBHA Haryana, delivered closing remarks and extended a vote of thanks to Prof. Gaurav Verma for his enlightening keynote address. The event was coordinated by Dr. Bindu Mangla and Dr. Arun Kumar, along with the dedicated team from Vigyan Bharti Faridabad.

The program was sponsored by Ministry of Culture, Government of India and supported by Vigyan Bharati, New Delhi. The session was well attended by a number of faculty members, scholars and students.

Dr. Meha Sharma assumes as Registrar of JC Bose University

Faridabad/Alive News

Dr. Meha Sharma, Deputy Registrar, has been given the additional charge of Registrar of J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad. She succeeded Dr. Sunil Kumar Garg who completed his term on August 14, 2023 after attaining the age of superannuation. An office order to this effect has been issued by the Vice-Chancellor's Secretariat. Dr. Meha Sharma today assumed office in the presence of Dean (Institution) Prof. Sandeep Grover. Advisor to Vice-Chancellor Dr. Pawan Singh, Prof. Poonam Singhal, Deputy Registrar Sh. Manish Gupta, Workshop Superintendent Dr. Vivek Sharma, Assistant Registrar Sh. Vishal Kumar, Assistant Law Officer Mrs. Renu Dagar were also present on this occasion. Vice-Chancellor Prof. S.K. Tomar has congratulated Dr. Sharma on new assignment and extended best wishes for her future endeavours. Dr. Meha Sharma has expressed her gratitude towards Vice-Chancellor Prof. S.K. Tomar for entrusting her with the prestigious responsibility of Registrar, the key administrative position in the university. Coming from an engineering background, Dr. Sharma has over 18 year of experience in teaching, research and administration.

Successful conclusion of Short Term Course on 'Electric Vehicle Technologies'

Faridabad/Alive News

One-week Short Term Course on 'Electric Vehicle Technologies' organized by the Department of Electrical Engineering of J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad was concluded today. The valedictory program marked the culmination of five days of intensive learning and collaboration among industry experts, scholars, and participants.

In the valedictory session, Prof. Anju Gupta, the Chairperson of the Department, provided an insightful overview of the course's proceedings. She expressed gratitude towards the resource speakers whose expertise and dedication contributed to the program's success. Prof. Raj Kumar, Dean of the Faculty of Engineering and Technology (FET), addressed the participants, highlighting the importance of continually updating knowledge through such initiatives and emphasizing the role of these courses in enhancing the skills of faculty members. Vice-Chancellor, Prof. Sushil Kumar Tomar, extended his appreciation to the department for its proactive initiative in organizing this highly relevant course. Prof. Tomar emphasized the importance of such forward-looking endeavors in equipping both students and faculty members with cutting-edge knowledge and skills that are essential for staying relevant in today's fast-evolving technological

landscape. The comprehensive five-day program comprised diverse sessions, each conducted by distinguished professors and industry experts specializing in Electric Vehicles. Notable names included Mr. Arun Kapoor, CEO of JBM Green Energy Systems, Gurugram; Prof. Mukhtiar Singh from DTU Delhi; Prof. R.C Bansal from Sharjah University, UAE; and Mr. Arun Sivasubhramaniam, an Automobile Expert and former GM of Hero Motocorps. The speakers delved into a wide array of topics, ranging from the integration of renewable energy and electric vehicles to battery technology, charging infrastructure, electric motors and drivetrains, market trends and adoption, and the myriad challenges and opportunities within the realm of Electric Vehicles. The program extended beyond theoretical insights, incorporating hands-on practical sessions facilitated by Dr. Saalim Qureshi and Ms. Era Bajpai from Quarbz Info Systems, Kanpur. Participants engaged in comprehensive simulations, ranging from basic to advanced levels, and were introduced to Typhoon HIL technology and its applications. The practical sessions encompassed areas such as PV Panel design, Python script editing, modeling and simulation of EV using signal processing toolbox of Typhoon HIL, and communication protocols, offering participants valuable industry-oriented experience.

सूरजकुंड में आपदा पर बेहतरीन प्रयोगों को सांझा करने के लिए जुटे देशभर के आपदा मित्र

Faridabad/Alive News

प्रदेश के आपदा प्रबंधन एवं राजस्व राज्मंत्री अनूप धानक ने कहा कि आपदा कभी भी समय बताकर नहीं आती। यह कभी भी और किसी भी रूप में हमारे सामने भयानक स्थिति पैदा कर देती है। ऐसे में हमें इससे निपटने के लिए हमेशा तैयार रहना होगा। पहले से ही हमारे पास एनडीआरएफ और एसडीआरएफ जैसी फोर्स आपदा से निपटने के लिए मौजूद हैं, लेकिन अब पूरे देश में आपदा मित्र भी किसी भी आपदा से निपटने के लिए देशवासियों से कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। अनूप धानक शुक्रवार को सूरजकुंड के होटल में एक दिवसीय आपदा मित्र सम्मलेन में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि केद्र सरकार की यह बहुत ही सराहनीय योजना है और हरियाणा सरकार इसमें पूरी तरह से कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने बताया कि देशभर में जहां अब तक 87 हजार आपदा मित्र तैयार हो चुके हैं वहीं हरियाणा भी अपने सात जिलों में 2100 आपदा मित्र तैयार कर चुका है। उन्होंने हिमाचल, उत्तराखंड सहित उत्तर भारत के सभी राज्यों में आई भीषण बाढ़ और गुजराज में तुफान के दौरान आपदा मित्रों के सराहनीय कार्य के लिए सभी को बधाई दी।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए हरियाणा सरकार में वित्तायुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश खुल्लर ने कहा कि किसी भी आपदा को देखकर मित्रता का भाव बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि आपदा मित्र पहले अपना भी मित्र है। ऐसे में वह आपदा के समय वह इस भाव से कार्य करता है कि वह अपने, अपने गांव, अपने प्रदेश व अपने देश के साथ मित्रता के भाव से कार्य कर रहा है।

उन्होंने इस दौरान देशभर से आए आपदा मित्रों को फरीदाबाद का उदाहरण देते हुए कहा था कि आजादी के समय जब विस्थापन की सबसे बड़ी आपदा आई थी तो इस समय फरीदाबाद ने इसके लिए उदाहरण प्रस्तुत किया था। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद का एनआईटी क्षेत्र कम्युनिटी और कोआपरेटिव के सहयोग से बसाया गया देश का पहला सुनियोजित शहर है।

उन्होंने कहा कि आपदा मित्र योजना देशभर में दो लाख से ज्यादा स्वयंसेवकों को तीन साल के अंदर तैयार करने की बड़ी ही बेहतरीन योजना है। इसमें शुरूआती तौर पर देश के 250 आपदा प्रभावित जिलों का शामिल किया गया है। इनमें उन गांवों में आपदा मित्र तैयार किए गए हैं जहां हमेशा आपदा आने की संभावना रहती है। ऐसे में जब तक एनडीआरएफ और एसडीआरएफ पहुंचती हैं तब तक यह आपदा मित्र लोगों को राहत के लिए मौजूद हो जाते हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य राजेंद्र सिंह ने बताया कि स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए पूरे भारत में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित यह एक केंद्र प्रायोजित

योजना है। इस योजना का उद्देश्य सामुदायिक स्वयंसेवकों को बुनियादी कौशल प्रदान करना है, जिनकी उन्हें आपदा के दौरान और उसके बाद अपने समुदाय की तत्काल आवश्यकता पर प्रतिक्रिया देने के लिए आवश्यकता होगी।

ये प्रशिक्षित स्वयंसेवक आपदा प्रतिक्रिया, समन्वय और प्रबंधन की बुनियादी तकनीकों का उपयोग करके जीवन बचाने में सहायता कर सकते हैं। प्रत्येक स्वयंसेवक को एक आपातकालीन प्रतिक्रिया किट और तीन साल के लिए बीमा कवर और जिला व ब्लॉक स्तर पर आपातकालीन प्रतिक्रिया रिजर्व प्रदान किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत आपदा मित्र और आपदा सखी को नागरिक सुरक्षा, होम गार्ड, एनवाईकेएस, एनसीसी, पीआरआई और गांवों से चुना गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गयी है। स्वयंसेवकों को जिला प्रशासन और विपरित परिस्थितियों में कार्य करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया ताकि दोनों आसानी से तालमेल और सामंजस्य में काम कर सकें।

संबंधित जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए, संबंधित जिले की एमएएच इकाइयों से जिला अधिकारियों और उत्पत्ति जैसे जिला अग्निशमन अधिकारी, जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा, औद्योगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा प्रशिक्षक के संसाधन व्यक्तियों को लगाया गया है।

इस दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त सचिव कुणाल सत्यार्थी ने बताया कि स्वयंसेवकों को अग्नि, सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, खोज एवं बचाव और जीवन रक्षक तकनीकों से संबंधित व्यावहारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया है। प्रत्येक स्वयंसेवक को एक आई-कार्ड और प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान किया गया है और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के पूरा होने पर आपदा मित्र के रूप में एक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करके प्रमाणित किया गया है। इन प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का डेटा केंद्रीकृत डेटाबेस के लिए एनडीएमए द्वारा बनाए गए वेब पोर्टल https://mis.aapdamitra.ndma.gov.in/inde&.php/admin/login पर भी अपलोड किया गया है। प्रत्येक स्वयंसेवक को एक आपातकालीन प्रतिक्रिया किट और तीन साल के लिए बीमा कवर भी प्रदान किया जा रहा है। इस दौरान पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश में आई आपदा के लिए हिमाचल के प्रतिनिधियों ने अपने द्वारा किए गए कार्यों के लिए प्रस्तुती दी। इसके बाद गुजरात में पिछले दिनों आए तुफान को लेकर किए गए प्रबंधनों के बारे में बताया गया।

इस दौरान बताया कि इतने बड़े तुफान के बावजूद कोई जनहानि नहीं होने दी गई। इस कार्य में एनडीआरएफ व एसडीआरएफ का आपदा मित्रों द्वारा किया गया सहयोग सराहनीय रहा। मीटिंग में उपायुक्त विक्रम सिंह सहित सभी प्रदेशों से पहुंचे आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी व वालियंटर मौजूद थे। पूरा कार्यक्रम चार अलग-अलग सत्रों में आयोजित किया गया।

इसमें उत्तर पूर्व के क्षेत्रों में पहाड़ी क्षेत्रों में आने वाली आपदा के लिए हिमाचल प्रदेश, मिजोरम व सिक्किम के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुती दी गई। दिल्ली, यूपी व हरियाणा के आपदा मित्रों द्वारा अपने प्रदेशों में आपदा मित्रों की सफलता की कहानिया दिखाई गई। आंध्र प्रदेश, गुजरात और उड़ीसा के आपदा मित्रों द्वारा तुफान के दौरान आने वाली आपदा की प्रस्तुती दी गई। मीटिंग में एनडीएमए के संयुक्त सचिव लेफ्रिनेंट कर्नल सूर्य प्रकाश पांडेय ने आपदा मित्र स्कीम की अप स्केलिंग की जानकारी दी। विभागाध्यक्ष एवं सदस्य कमल किशोर ने सभी को आपदा मित्र स्कीम के बारे में बताया।

मानव संस्कार स्कूल ने मनाया 77वां स्वतंत्रता दिवस

Faridabad/Alive News

77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर धीरज नगर पल्ला के मानव संस्कार पब्लिक स्कूल में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक योगेश शर्मा, प्रधानाचार्या कौमुदी भारद्वाज, अतिथि गणों, समस्त अध्यापक, अध्यापिकाओं व सभी बच्चों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए राष्ट्रीय गान गाया। विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया। स्वतंत्रता दिवस महोत्सव के उपलक्ष में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए- जैसे नाट्य प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, भाषण व छोटे-छोटे बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों की याद में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में भाग लेकर देश के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित किया। विद्यालय के प्रबंधक योगेश शर्मा, कौमुदी भारद्वाज, अतिथिगणों व अभिभावकों ने बच्चों के देश के प्रति उत्साह को देखते हुए कहा कि हमें देखकर अति प्रसन्नता हुई। रही है कि आज की युवा पीढ़ी में देश के प्रति प्यार व बलिदान की भावना जागृत है। विद्यालय का प्रांगण भारत 'माता की जय' 'जय हिंद' के नारों से गूंज उठा।

स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक : राजन गौतम

Faridabad/Alive News

सेक्टर-49 सैनिक कालोनी के डी.ए .वी. पब्लिक स्कूल के परिसर में आजादी का 77वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े जोश, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एवं मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार तथा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य राजीव जेटली और लेफ्टिनेंट कर्नल विनीता दलाल पहुंची। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुसार दीप प्रज्ज्वलन तथा ईश्वरीय वंदना के साथ हुआ। प्रधानाचार्य ने मुख्यअतिथियों का स्वागत फूल मालाओं और स्मृति चिह्न से किया। प्रधानाचार्य राजन गौतम ने शिक्षा के महत्व और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों के योगदान की सराहना की। इस सुअवसर पर विद्यालय की उपलब्धियों को वीडियो के माध्यम से दर्शाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं दिव्यांशी और रिद्धि ने स्वतंत्रता दिवस का महत्त्व बताया तथा असंख्य शहीदों के बलिदान से मिली। इस आजादी को सम्मानपूर्वक सहेजकर रखने के लिए प्रेरित किया। आजादी दिवस पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। चक दे इंडिया समूह गान ने सभी विद्यार्थियों में देश के लिए जोश भर दिया, वहीं 'यह देश है वीर जवानों का' तथा 'वंदे मातरम' मनोहारी नृत्य ने देशभक्ति की? भावना से वातावरण को सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण देश के लिए शहीद होने वाले कैप्टन सौरभ

कालिया और उनके साथियों के जीवन पर आधारित नाटिका 'देश तुझे शत- शत नमन' रही जिसने सभागार में उपस्थित सभी के मन में ?अपने देश के प्रति अपने कर्त्तव्य, निष्ठा, प्रेम तथा तन-मन न्यौछावर करने की भावनाओं का संचार किया। राजीव जेटली ने बच्चों को संबोधित करते हुए आजादी का महत्त्व समझाया और सकारात्मक सोच से देश के भविष्य को बदलने के लिए प्रेरित किया। लेफ्टिनेंट वनिता दलाल ने बच्चों को शिक्षा के माध्यम से देश को विश्व गुरु बनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तरुण निकेतन स्कूल में वृक्षारोपण व सांस्कृतिक की रही धूम

Faridabad/Alive News

तरुण निकेतन स्कूल के प्रांगण में 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल ने धरती माँ के संरक्षण और वन की रक्षा के लिए एक खूबसूरत पहल की है। स्कूल के इको क्लब ने छात्रों को पर्यावरणीय गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने के लिए सशक्त बनाने की पहल की है। स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने वृक्षारोपण कर अपनी सहभागिता निभाई। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथिगण द्वारा सराहना की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रोटरी क्लब हेरिटेज के अध्यक्ष संदीप, रोटरी क्लब हेरिटेज पूर्व अध्यक्ष अनूप गर्ग, रोटरी क्लब हेरिटेज के चार्टर्ड अध्यक्ष मनोज गुप्ता, रोटरी क्लब हेरिटेज सदस्य एडवोकेट जे.पी. भाटी, रोटरी सदस्य अल्का गोयल, रोटरी क्लब हेरिटेज के सेक्रेटरी दीपक, स्कूल के चेयरमैन हिमांशु तंवर, प्रधानाचार्या रंजना सोबती व उप प्रधानाचार्या राधा चौहान, स्वाति चौहान ने अपने कर कमलों से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत व नृत्य की प्रस्तुति दी। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम की प्रस्तुति बहुत शानदार रही। छात्रों की प्रस्तुति देख करतल ध्वनि से सारा प्रांगण गूँज उठा। इस अवसर पर स्कूल में कई कार्यक्रम आयोजित किये गए, जैसे चित्रकला, ध्वज

पट प्रतियोगिता। स्कूल के प्रांगण में रोटरी क्लब और सर्वोदय हॉस्पिटल द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन भी किया गया। इस शिविर में जाँच के लिए रोटरी क्लब की पूरी टीम मौजूद रही। स्कूल की प्रधानाचार्या रंजना सोबती तथा उप प्रधानाचार्या राधा चौहान ने मुफ्त स्वास्थ्य जाँच शिविर के लिए रोटरी क्लब हेरिटेज और सर्वोदय हॉस्पिटल के डॉक्टरों का धन्यवाद किया। इस जाँच शिविर में स्कूल के अध्यापक और छात्रों ने जाँच के लिए उत्साह दिखाया।

छात्राओं से छेड़छाड़ मामले में पीटीआई के खिलाफ पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज

Faridabad/Alive News

ओल्ड फरीदाबाद के सरकारी स्कूल में छात्रा से छेड़छाड़ करने के मामले में पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ थाना ओल्ड फरीदाबाद पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। बता दें कि सोमवार को एक छात्रा ने पीटीआई शशि भूषण पर आरोप लगाया था कि उसने गेंद देने के बहाने कमरे में बुलाया और उसके साथ छेड़छाड़ की, जिसके बाद छात्रा बहुत घबरा गई और भाग कर अपनी कक्षा में जा बैठी। घबराहट के मारे छात्रा के मुंह से झाग निकलने लगे। इससे घबराए शिक्षकों ने छात्रा के अभिभावक को स्कूल बुलाया और छात्रा को घर लेकर चले गए। छात्रा ने आप बीती अपने अभिभावक को बताई। अभिभावकों ने स्कूल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद पीटीआई को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। पुलिस ने लड़की के बयान कराकर आरोपी पीटीआई के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

बडख़ल गांव में हुई तोडफ़ोड़ को विजय प्रताप ने बताया नाजायज

Faridabad/Alive News

गांव बडख़ल में गत दिवस नगर निगम द्वारा स्पेशल टारगेट बनाकर की गई तोडफ़ोड़ के विरोध में सोमवार को कांग्रेसी नेता एवं बडख़ल विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे विजय प्रताप सिंह गांव बडख़ल पहुंचे और निगम प्रशासन व प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि दो दिन पूर्व नगर निगम प्रशासन ने बडख़ल गांव में जो तोडफ़ोड़ की वह पिक एण्ड चूस की नीति के तहत की गई है। इस तोडफ़ोड़ की कार्यवाही को पूरी तरह से गलत बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी का मकान गलत जगह पर बना है, तो निश्चित रूप से निगम प्रशासन को उसे साफ करना चाहिए, मगर, लोगों को नोटिस तो देना चाहिए। उनके संज्ञान में लाना चाहिए, ताकि वह अपना सामान तो घर से बाहर निकाल लें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की छोटी सोच को यह कार्यवाही दर्शाती है और केवल लोगों में दहशत बनाने के लिए

यह कार्यवाही की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का काम होता है, लोगों को सुविधाएं देना। पिछले 10 दिन से भी अधिक समय से बडख़ल निवासी अपनी सडक़, सीवर व पानी की समस्या को लेकर रोड पर बैठे हुए हैं और ऐसा ही हाल भांखरी गांव का है। मगर, निगम लोगों को सुविधाएं तो दे नहीं पा रहा, बल्कि उनको उजाडऩे का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि जो ग्रामीण धरने पर बैठे हैं, उस धरने को डाइवर्ट करने के लिए यह कार्यवाही की गई है। विजय प्रताप ने कहा कि जो अन्याय ये लोगों के साथ कर रहे हैं, वो सब मेरी नजर में और प्रदेश में कांग्रेस सरकार आने के बाद सबको न्याय दिलाया जाएगा। विजय प्रताप ने कहा कि भाजपा नेता अपने अंदर झांकें और मैं भगवान से यही विनती करूंगा कि इनको सद्बुद्धि दें। लोगों के साथ इस तरह की कार्यवाही न करें, जैसे दुश्मनों के साथ कर रहे हों। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन ने नाले की सफाई का बहाना बनाकर मकानों पर कार्यवाही की, मगर सफार्ईई तो यहां आज भी दिखाई नहीं दे रही है। इससे साफ जाहिर होता है, भाजपा सरकार केवल लोगों में भय का माहौल पैदा करना चाहती है। इस अवसर पर विजय प्रताप ने ग्रामीणों को दिलासा दी और कहा कि सरकार आने पर उनको न्याय दिलाया जाएगा। बडख़ल गांव की जो खोई हुई रोनक है, उसको लौटाया जाएगा। आज पूरा गांव मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है, मगर सरकार का उस तरफ कोई ध्यान नहीं है। इस मौके पर उनके साथ बडख़ल गांव के इसमाईल, अता खान, राजकुमार गौड, बल्लू, अज्जू , इमरान खान, संजय खान आदि मौजूद रहे।

श्रीराम मॉडल स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

Faridabad/Alive News

सेक्टर 21 ए स्थित श्रीराम मॉडल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और शहीदों को समर्पित प्रस्तुतियां दी। स्कूल की चेयरपर्सन डॉ.अमृता ज्योति ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने मौजूद विद्यार्थियों को आजादी का महत्व और आजादी की लड़ाई में प्राण न्योछावर करने वाले देश के वीर सपूतों के बारे में बताया। उन्होंने स्कूल के विद्यार्थियों और अध्यापकों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्कूल में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर कर हिस्सा लिया। वहीं देशभक्ति के गीतों और भारत माता के जयकारों से स्कूल गूंज उठा। कार्यक्रम के अंत में विजेता विद्यार्थियों को स्कूल की ओर से पुरस्कृत किया गया।

फुटबाल चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों का ट्रायल पूरा, सितंबर में होगी प्रतियोगिता

Faridabad/Alive News

राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के आयोजन को लेकर हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन ने अपने स्तर पर तैयारियां आरंभ कर दी हैं। विभिन्न वर्गों में होने वाली फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए देशभर के अनेक राज्यों में मैच खेले जाएंगे। चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए हरियाणा के खिलाड़ियों ने कमर कसना शुरू कर दिया है। इसके अंतर्गत बीती 11 से 13 अगस्त तक फुटबाल खिलाड़ियों के लिए गुरूग्राम में ट्रायल का आयोजन किया गया, जिसमें 1200 से ज्यादा महिला व पुरूष खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपना दमखम दिखाया। हरियाणा फुटबाल एसोसिएशन के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने ट्रायल में हिस्सा लिया। बता दें कि सूरजपाल अम्मू के नेतृत्व में हरियाणा की महिला व पुरूष फुटबाल टीमें लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। इसके चलते ही महिला फुटबाल टीम ने हाल ही में पंजाब में आयोजित चैंपियनशिप में ना केवल फाईनल तक का सफर तय किया, बल्कि 27 बार की चैंपियनशिप विजेता मणिपुर की टीम को शिकस्त देकर अपनी काबलियत साबित की। अब हरियाणा ने सितंबर में होने वाली चैंपियनशिप के लिए अपने खिलाड़ियों को तैयार करना शुरू कर दिया है। इसके अंतर्गत ही चयनकर्ताओं ने ट्रायल में खिलाड़ियों का दमखम देखा। ट्रायल की देखरेख

एसोसिएशन की आर्गनाईजेशन सचिव शेफाली नांगल ने की और खिलाड़ियों के चयन को लेकर पूरी रूपरेखा तैयार की। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू ने बताया कि फुटबाल राष्ट्रीय चैंपियनशिप की सभी प्रतियोगिताएं सितंबर महीने में देशभर के अलग अलग शहरों में खेली जाएंगी। इसी कड़ी में सब जूनियर महिला नेशनल चैंपियनशिप अमृतसर में 4 से 13 सितंबर तक खेली जाएगी। जबकि जूनियर महिला नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन भुवनेश्वर ओडिशा में 20 से 30 सितंबर के बीच होगा। इसी प्रकार से सब जूनियर पुरुष नेशनल चैंपियनशिप पश्चिम बंगाल के मालदा व बेहरमपुर में 3 से 13 सितंबर तक खेली जाएगी। वहीं जूनियर पुरूष बीसी रॉय ट्रॉफी ओडिशा के भुवनेशवर में 5 से 15 सितंबर के बीच आयोजित होगी। अम्मू ने बताया कि ट्रायल के दौरान पुरूष, महिला व बीसी रॉय ट्रॉफी के लिए हरियाणा के सभी खिलाड़ियों की तैयारी करवाई जाएगी। उनके अनुसार ट्रायल के दौरान सभी खिलाड़ियों को मिनरल वाटर एवं बेहतरीन रिफ्रेशमेंट दी गई। सभी खिलाड़ियों ने एसोसिएशन द्वारा की गई व्यवस्था की प्रशंसा की। ट्रॉयल के अवसर पर चयन बोर्ड के सदस्य शेफाली नांगल, ओम तंवर, खेल विभाग के प्रशिक्षक जरनैल सिंह, देव आनंद, रविंद्र भाटिया व नरेंद्र जांगड़ा सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट अश्विनी त्रिखा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है और कहा है कि प्रदेश को इन खिलाड़ियों से उम्मीद है कि वह हरियाणा का नाम अवश्य रोशन करेंगे।

महिला आयोग की चेयरपर्सन ने की महिलाओं से सम्बंधित केसों की जन सुनवाई

Faridabad/Alive News

हरियाणा महिला आयोग की चेयर पर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि हरियाणा महिला आयोग का काम घरेलू हिंसा से ग्रस्त परिवारों को बसाना हैं। रेनू भाटिया ने कहा कि महिलाओं से सम्बंधित मामलों में पुलिस अधिकारी तुरंत कार्यवाही गंभीरता से करें। महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने महिला घरेलू हिंसा से संबंधित केस की जनसुनवाई करते हुए निर्देश दिए हैं कि बेटा हर शुक्रवार को दोपहर छुट्टी के बाद डिनर तक मम्मी के साथ रहेगा। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया आज एनआईटी-5 में स्तिथ में दास ग्रुप के कार्यालय में महिला हिंसा से सम्बंधित केसों की सुनवाई कर रही थी। बता दें कि महिला आयोग की चैरपर्सन रेनू भाटिया ने बताया कि आज पुलिस विभाग में विचाराधीन महिलाओं से संबंधित केसो को रजिस्टर्ड करके लाये थे। जिनमें एक मामला कोर्ट में पहले ही ख़ारिज हो गया है और आज आए 3 केसों में जिसमे केसों को सुनकर और उनको आगे का समय दिया है। वहीं मामलों को पुलिस द्वारा री इन्क्वारी के लिए भेजा है। उन्होंने नए मामले लिखित में एप्लीकेशन के द्वारा आये है जिसके लिए प्रार्थियों को आगे की तारीख दे दी गयी है। वहीं एक मामले की सुनवाई में जब महिला ने बताया कि पिछले

सात महीनों से उसने अपने बच्चों से बात नहीं की तो महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने तुरंत हर शुक्रवार को दोपहर स्कूल की छुट्टी के बाद डिनर तक मम्मी के साथ रहने के निर्देश पुलिस अधिकारियों और लडके के मम्मी व पापा को दिए। हरियाणा महिला आयोग की चेयर पर्सन रेनू भाटिया ने बताया कि हम पहले केस को खुद स्टडी करते है फिर केस से सम्बंधित थानों के अधिकारियों से बात करते है। उसके बाद हम प्रार्थी को बुलाते है। अलग-अलग तरह के केसों से संबंधित अधिकारियों से राय लेकर ही मामलों का निपटारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2014-15 में प्रदेश में महिला थाने खुलवाए ताकि महिलाएं अपनी बात को खुलकर कह सके। रेनू भाटिया ने कहा कि महिला आयोग का उद्देश्य है की महिलाओ से सम्बंधित केसों का निपटारा शांतिपूर्ण तरीके से किया जा सके। उन्होंने कहा कि हम समय-समय पर हर ज़िला में जाकर केसों के निपटारे का कार्यक्रम रखते है। इनमें जितने भी केस उस जगह के चौकी, थाने, महिला थाने में महिलाओं से सम्बंधित दर्ज होते हैं, उनमें मामलो के लिए सम्बन्धित मिया, बीबी और अन्य नियर डियर लोगो को बुलवाते है। उन्होंने कहा कि हम दोनों पार्टियों को समन करते है और थानों के अधिकारियों को बुलाते है। दोनों पार्टियों को आमने सामने बैठाकर दोनों पक्षों की बातों को सुनकर केस का निपटारा कराते है। यदि कोई एक पार्टी बुलाने के बाद भी नहीं आती तो दूसरी बार हम उनके खिलाफ कार्यवाही के आदेश दे देते है। उन्होंने कहा कि आयोग का पहला उद्देश्य यही है की दो पार्टियों को आमने सामने बैठाकर उनकी सुलह कराई जाये।

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448